राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रकाशित

सुरत–गुजरात,संस्करण गुरुवार,30 मार्च–2023 वर्ष–6,अंक–64 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

राजस्थान में चुनाव से पहले गहलोत ने चला 'मास्टरस्ट्रोक', सबसे करीबी मंत्री ने ही कर दिया विरोध

राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने विधानसभा चुनाव से पहले 19 नए जिले और 3 संभाग बनाने का ऐलान किया तो शायद उन्होंने सोचा नहीं होगा कि उनके करीबी ही सवाल उठा देंगे। प्रताप खाचरियावास ने किया विरोध।

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने विधानसभा चुनाव से पहले 19 नए जिले और 3 संभाग बनाने का ऐलान किया तो शायद उन्होंने सोचा नहीं होगा कि उनके करीबी ही सवाल उठा देंगे। राजधानी जयपुर को दो हिस्सों में बांटने के फैसले पर गहलोत के करीबी मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास ने ऐतराज जता दिया है। खाद्य मंत्री ने खुलकर इसका विरोध करते हुए कहा है कि उन्हें यह पसंद नहीं आया है। उन्होंने कहा कि जयपुर को जयपुर उत्तर और जयपुर दक्षिण में बांटना जनता को भी रास नहीं आ रहा है। खाचरियावास का एक वीडियो सामने आया है जिसमें वह कह रहे हैं कि जयपुर को बंटने नहीं दिया जाएगा। सरकार के फैसले पर खुलकर ऐतराज जाहिर करते हुए उन्होंने कहा, %जयपुर तो जयपुर ही रहेगा। मैं जयपुर का बेटा हूं। जयपुर का जनप्रतिनिधि हूं। जयपुर से मंत्री हूं। जयपुर के सारे विधायक चाहते हैं कि जयपुर, जयपुर ही रहे।% उन्होंने आगे कहा कि मुख्यमंत्री ने घोषणा की तो उन्होंने यह थोड़ी ना कहा कि किसमें क्या होगा, अब बनना है सारा स्वरूप। सब ठीक कर देंगे। जयपुर उत्तर और जयपुर दक्षिण, यह मुझे भी पसंद नहीं आ रहा है। जयपुर एक रहे और अधिकारी अलग-अलग बैठें। ऐसा कुछ करेंगे।

खाचरियावास ने एक अखबार से बातचीत में कहा, %जयपुर को उत्तर और दक्षिण में नहीं बांटा जाएगा। शहर की अपनी अलग पहचान और दुनियभर में अतिथि सत्कार, इमारतों और जगहों को लेकर मशहूर है। मैं मानता हूं कि घोषणा हुई लेकिन अभी कोई नोटिफिकेशन नहीं निकला है। जब तक जनता, हितधारकों और चुने हुए जनप्रतिनिधियों से बातचीत नहीं होती, तब तक कोई बदलाव नहीं होगा।% गौरतलब है कि मुख्यमंत्री की ओर से घोषणा किए जाने के बाद से ही जयपुर में विरोध शुरू हो गया है। नागरिक समूहों ने जयपुर को एक रखने की मांग करते हुए हस्ताक्षर अभियान शुरू कर दिया है। कांग्रेस के

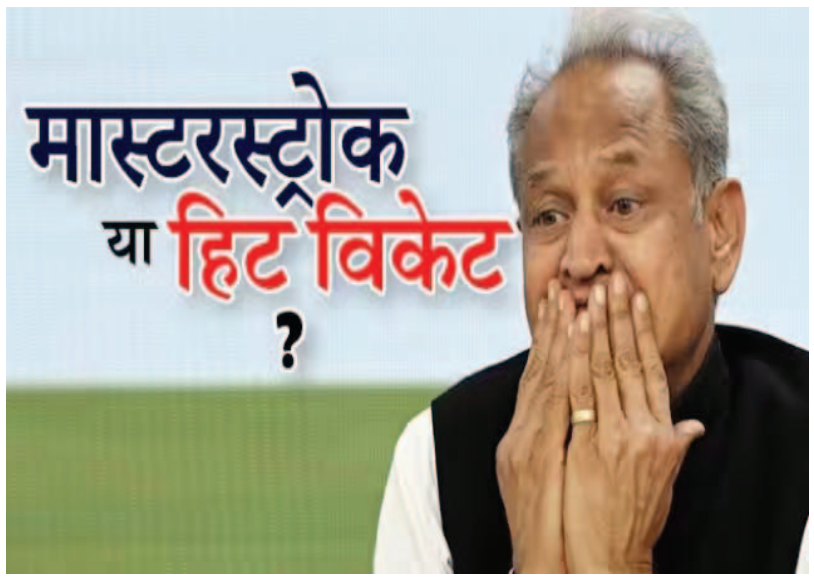

नेता और पूर्व नौकरशाह भी सरकार से फैसला बदलने की मांग कर रहे हैं।

उद्धव ठाकरे की चेतावनी से सहमी कांग्रेस! सावरकर पर चल दिया नए प्रस्ताव का दांव

जयपुर को दो हिस्सों में बांटने के खिलाफ कैंपने की अगुआई भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अरुण चतुर्वेदी कर रहे हैं, जिन्होंने अलग-अलग समूहों के साथ बैठक की है। उन्होंने कहा, %जयपुर का का गठन राजा सवाई मान सिंह ने करीब 300 साल पहले किया था और इसे एक ही रहना चाहिए। इसमें किसी तरह का बदलाव यहां के लोगों, संस्थापकों और लोगों के विश्वास का अपमान होगा। ऐतिहासिक इमारत जैसे गोविंद देव मंदिर, डोंगरी मंदिर, शाही मस्जिद और गुरुद्वारा जयपुर में हैं और इसे उत्तर-दक्षिण में नहीं बांटना चाहिए।% उन्होंने यह भी साफ किया कि वह जयपुर के निवासी के तौर पर इस मुहिम की अगुआई कर रहे हैं।

कर्नाटक के बीजेपी विधायक मदल विरुपक्षप्पा को पांच दिन की हिरासत में भेजा, रिश्वत कांड में हुए थे गिरफ्तार

कर्नाटक। रिश्वत मामले में फंसे कर्नाटक के बीजेपी विधायक विरुपक्षप्पा को एक विशेष अदालत ने 5 दिन की लोकायुक्त पुलिस हिरासत में भेज दिया है। जज बी जयंत कुमार ने उनको पांच दिन की लोकायुक्त पुलिस हिरासत में भेजे जाने का आदेश दिया है।

कर्नाटक हाई कोर्ट ने खारिज की जमानत अर्जी

इससे पहले कर्नाटक हाई कोर्ट द्वारा बीजेपी विधायक की जमानत अर्जी खारिज कर दी गई थी। बता दें कि विधायक विरुपक्षप्पा को रिश्वत मामले में 27 मार्च को तुमकुरु के क्याथासंद्रा टोल प्लाजा के पास से गिरफ्तार किया गया था। भाजपा विधायक को उस समय गिरफ्तार किया गया, जब वह एक कार्यक्रम में शामिल होने के बाद चन्नागिरी से बेंगलुरू जा रहे थे।

पांच दिन की पुलिस हिरासत में भेजा

हालांकि, विधायक के वकीलों ने स्वास्थ्य आधार पर जमानत का अनुरोध किया था, लेकिन लोकायुक्त पुलिस ने दस दिन की हिरासत मांगी। पूछताछ में उनकी मौजूदगी को देखते हुए कोर्ट ने पांच दिन की हिरासत मंजूर कर ली है। लोकायुक्त पुलिस ने विधायक के बेटे मादल प्रशांत को गिरफ्तार करने के बाद जांच शुरू की, जिसमें वह मुख्य आरोपी हैं।

विधायक मदल विरुपक्षप्पा के बेटे को किया था गिरफ्तार

बता दें कि भाजपा विधायक मदल विरुपक्षप्पा के बेटे को 3 मार्च को 40 लाख रुपये की रिश्वत लेते समय गिरफ्तार किया गया था। इसके बाद 9 मार्च को बेंगलुरु में लोकायुक्त के सामने पेश किया गया। लोकायुक्त की भ्रष्टाचार रोधी शाखा ने उनके बेटे प्रशांत मदल को 40 लाख रुपये की रिश्वत लेने के आरोप में गिरफ्तार किया था।

विरोध करना नागरिक का अधिकार, अशांति फैलाने का हक किसी को नही

नई दिल्ली। जामिया हिंसा मामले में शरजील इमाम, सफूरा जरगर और सात अन्य आरोपियों को बुधवार को दिल्ली उच्च न्यायालय से बड़ा झटका लगा। उच्च न्यायालय ने निचली अदालत के आरोपमुक्त करने के फैसले को पलट दिया। उच्च न्यायालय ने आरोप तय करने का आदेश देते हुए कहा कि बेशक विरोध करना प्रत्येक नागरिक का अधिकार है, लेकिन अशांति फैलाने का हक किसी को नहीं है। इसे नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। न्यायमूर्ति स्वर्ण कांता शर्मा की पीठ ने दिल्ली पुलिस की पुनरीक्षण याचिका को मंजूर करते हुए माना कि निचली अदालत के फैसले में विसंगति थी। आरोप के स्तर पर प्रथमदृष्टया साक्ष्यों का अध्ययन किया जाता है। ऐसे में पूरे मामले को खारिज करना किसी भी तरह जायज नहीं माना जा सकता। जब रिकॉर्ड पर वह वीडियो मौजूद थे, जिनमें आरोपी नजर आ रहे थे, तो ऐसे में पुलिस ने बलि का बकरा बनाया जैसे शब्दों के साथ निर्णायात्मक टिप्पणी उचित नहीं थी। विरोध के लिए शांतिपूर्ण तरीके से एकत्रित होने का अधिकार भी प्रतिबंध के अधीन होता है। इसके लिए इजाजत लेना अनिवार्य है, लेकिन इस विरोध प्रदर्शन के लिए आरोपियों ने कोई अनुमति नहीं ली थी।

उच्च न्यायालय ने माना कि जिस सभा के बाद जामिया इलाके में दंगे फैले थे, उसमें आरोपी गैरकानूनी सभा का हिस्सा थे। उन्होंने नारेबाजी और पुलिस बल पर हमला किया। बैरिकेडस पर चढ़कर पुलिस को चुनौती दी गई। ऐसे महत्वपूर्ण घटनाक्रम को खारिज नहीं किया जा सकता।

13 दिसंबर 2019 को मार्च के दौरान जामिया में भीड़ उग्र हो गई थी

53 पन्नों में हाईकोर्ट की ओर से अपना आदेश दर्ज किया गया

नागरिकता संशोधन कानून (सीएए) और राष्ट्रीय नागरिकता रजिस्टर के विरोध में 13 दिसंबर 2019 को जामिया मिल्लिया इस्लामिया से शुरू मार्च के दौरान भीड़ उग्र हो गई थी। इसमें पुलिस पर पथराव हुआ था। कई जगह आगजनी की गई थी। पुलिस ने भी जवाबी कार्रवाई में आंसू गैस समेत अन्य कार्रवाई की थी। शुरुआत में मामले की जांच जामिया नगर थाना पुलिस ने की थी।

नोएडा-ग्रेनो एक्सप्रेसवे के काम में ढिलाई, फिर फेल हुई डेडलाइन; कंपनी पर लगा जुर्माना

नोएडा। नोएडा-ग्रेनो एक्सप्रेसवे की मरम्मत का काम कर रही सीएस इंफ्रा कंस्ट्रक्शन कंपनी पर देरी से काम करने के चलते नोएडा प्राधिकरण ने एक करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया है। जुर्माना लगाने के साथ ही 31 मार्च 2023 तक काम पूरा करने के निर्देश दिए गए हैं। ग्रेटर नोएडा से नोएडा की ओर आने वाले एक्सप्रेसवे रास्ते पर करीब ढाई किलोमीटर हिस्से में मरम्मत का काम बचा हुआ है। इसके अलावा मार्किंग की जानी है। इसकी मरम्मत का काम जनवरी 2021 में शुरू हुआ था जो दो जून 2021 तक पूरा होना था। कंपनी की लापरवाही के कारण काम में लगातार देरी होती चली गई, जिसका खामियाजा वहां से गुजरने वाले वाहन चालकों को उठाना पड़ रहा है। निर्माण कार्य के कारण रोजाना जाम की समस्या हो रही है। गुरुवार को ही नोएडा प्राधिकरण की सीईओ ने अधिकारियों को मरम्मत का काम 31 मार्च तक पूरा कराने के निर्देश दिए थे। इसके अगले दिन ही शुक्रवार

अभी तक निर्माण की ये डेड-लाइन रखी गई थी

02 जून 2021	31 मार्च 2022
30 जून 2021	30 अप्रैल 2022
31 जुलाई 2021	30 जून 2022
30 सितंबर 2021	30 सितंबर 2022
31 दिसंबर 2021	30 नवंबर 2022
30 जनवरी 2022	20 दिसंबर 2022

को कंपनी की तरफ से प्राधिकरण अधिकारियों को बताया गया कि 31 मार्च तक संभव नहीं है। काम पूरा करने के लिए 15 अप्रैल तक का समय चाहिए। ऐसे में प्राधिकरण ने कंपनी पर एक करोड़ रुपये का जुर्माना और लगाया है। अधिकारिक रूप से 13वीं डेडलाइन पर भी काम पूरा नहीं होने पर प्राधिकरण बार-बार परियोजना के लिए डेडलाइन बढ़ाता गया। प्राधिकरण के वरिष्ठ प्रबंधक केवी सिंह ने बताया कि अधिकारिक रूप से अभी तक 12 डेडलाइन दी गई थी। इस दौरान लगातार काम समय पर पूरा नहीं किया गया। अब 13वीं डेडलाइन के रूप में 31 मार्च तक का समय दिया है। प्राधिकरण के अधिकारियों ने बैठक करके निर्माण कंपनी को इसे इस बार हर हालत में समय पर पूरा करने के निर्देश दिया है।

हॉट-इन-प्लेस तकनीक से चल रहा काम-एक्सप्रेसवे की मरम्मत का काम हॉट-इन-प्लेस तकनीक पर चल रहा है। इसके तहत सड़क पर पूरी नई लेयर बिछाने के बजाए पुरानी लेयर को ही उखाड़ा जा रहा है। इसमें प्रयोग होने वाली सामग्री को नई बिटुमिन में मिलाकर प्लांट में उसे तैयार किया जाता है।

नकली दवाइयां बनाने वाली 18 फार्मा कंपनियों के लाइसेंस किए गए रद्द

नई दिल्ली। नकली दवाओं के निर्माण से जुड़ी देश भर की फार्मा कंपनियों पर केन्द्र सरकार ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 18 फार्मा कंपनियों के लाइसेंस रद्द कर दिए हैं। भारतीय औषधि महानियंत्रक (डीसीजीआई) ने 20 राज्यों के 76 दवा कंपनियों का निरीक्षण किया था। डीसीजीआई के सूत्रों के अनुसार नकली दवाओं पर कार्रवाई के दौरान हिमाचल प्रदेश में 70 कंपनियां, उत्तराखंड में 45 कंपनियां और मध्य प्रदेश में 23 कंपनियों पर कार्रवाई की गई है। जानकारी के अनुसार डीसीजीआई की ओर से इस दिशा में कार्रवाई जारी है। लिहाजा फार्मा कंपनियों की संख्या बढ़ भी सकती है।

दिल्ली में कोरोना विस्फोट; 24 घंटे में 214 नए केस, 100 में से 12 सैंपल मिल रहे पॉजिटिव

नई दिल्ली। दिल्ली में कोरोना की डराने वाली स्पीड देखने को मिल रही है। दिल्ली में बीते 24 घंटे में 214 नए मामले सामने आए है। चिंता की बात यह कि पॉजिटिविटी रेट में तेज उछाल दर्ज किया गया है। यह 11.88 फीसदी पर जा पहुंची है। हालांकि राहत की बात यह कि राष्ट्रीय राजधानी में बीते 24 घंटों में कोरोना से एक भी मौत दर्ज नहीं की गई है। दिल्ली स्वास्थ्य विभाग की ओर से जारी बुलेटिन में कहा गया है कि बीते 24 घंटों में 1,811 स्वाब नमूनों का परीक्षण किया गया। इसमें से 214 नमूने कोविड-19 पाए गए। दिल्ली में मौजूदा वक्त में 671 सक्रिय मामले हैं। दिल्ली में पॉजिटिविटी रेट बढ़ गई है और हर 100 में से 12 नमूने पॉजिटिव पाए जा रहे हैं।

● दिल्ली में कोरोना की डराने वाली स्पीड देखने को मिल रही है। दिल्ली में बीते 24 घंटे में 214 नए मामले सामने आए है। चिंता की बात यह कि पॉजिटिविटी रेट में तेज उछाल दर्ज किया गया है।

दिल्ली स्वास्थ्य विभाग की ओर से जारी विज्ञप्ति के अनुसार, पिछले 24 घंटों में कुल 81 कोविड मरीज ठीक हुए हैं। इसके साथ ही दिल्ली में कोरोना को मात देने वालों की कुल संख्या बढ़कर 19,81,866 हो गई है। राष्ट्रीय राजधानी में महामारी के आने से अब तक कोविड-19 से 26,524 लोगों की जान जा चुकी है। राष्ट्रीय राजधानी में टीकाकरण अभियान के तहत लोगों को अब तक कुल 3,74,04,495 टीके की खुराक दी जा चुकी है। बीते 24 घंटों में 151 खुराक लगाई गई है। इससे पहले, शुक्रवार को दिल्ली में कोरोना के 152 नए मामले दर्ज किए गए थे। दिल्ली में पिछले साल सितंबर के बाद मंगलवार को पहली बार कोविड-19 के मामलों में इतना बड़ा उछाल दर्ज किया गया है। दिल्ली में रविवार को 9.13 प्रतिशत की पाजिटिविटी रेट देखी गई थी। दिल्ली में रविवार को कोविड के 153 नए मामले दर्ज किए गए थे। गौर करने वाली बात यह कि दिल्ली में कोरोना के मामलों में यह उछाल देश में एच3एन2 इन्फ्लुएंजा के मामलों में तेज वृद्धि के बीच देखा जा रहा है। दिल्ली में बीते कुछ महीनों में नए मामलों की संख्या में भारी गिरावट देखी गई थी। महामारी फैलने के बाद पहली बार 16 जनवरी को दिल्ली में कोई नया केस नहीं पाया गया था लेकिन अब एकबार फिर कोविड के केस बढ़ने लगे हैं।

दिल्ली-एनसीआर में सुबह धूप खिली पर जल्द बदल जाएगा मौसम, इस दिन से बारिश के आसार

नई दिल्ली। दिल्ली-एनसीआर में बुधवार की सुबह मौसम सामान्य रहा। आसमान साफ रहा और धूप भी खिली। लेकिन मौसम विभाग की मानें तो जल्द ही दिल्ली-एनसीआर समेत देश के कई हिस्सों में मौसम एक बार फिर करवट बदल सकता है। आज राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में न्यूनतम तापमान 17 डिग्री और अधिकतम तापमान आज 32 डिग्री सेल्सियस रह सकता है। पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से राजधानी दिल्ली के मौसम में बुधवार के बाद बदलाव देखने को मिलेगा। दिल्ली और आसपास के इलाके में गुरुवार और शुक्रवार को बूंदाबांदी होने के आसार हैं। दिल्ली के ज्यादातर इलाकों में मंगलवार तेज धूप निकली थी। दिल्ली की मानक वेधशाला सफदरंजग में दिन का अधिकतम तापमान 31.6 डिग्री सेल्सियस रहा, जो सामान्य है। जबकि, न्यूनतम तापमान 15.3 डिग्री सेल्सियस रहा, जो सामान्य से तीन डिग्री नीचे है।

मौसम विभाग के अनुसार बुधवार को हवा की गति आठ से 12 किमी घंटे तक चल सकती है। वहीं गुरुवार और शुक्रवार को बूंदाबांदी हो सकती है। मौसम के कारकों के चलते दिल्ली की हवा लगातार साफ-सुथरी बनी हुई है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के मुताबिक मंगलवार को दिल्ली का औसत वायु

गुणवत्ता सूचकांक 147 के अंक पर रहा। मौसम विभाग की मानें तो 29 मार्च की रात से ही उत्तर पश्चिम भारत के कुछ हिस्सों में बारिश की गतिविधियां नजर आने लगेंगी। उत्तर पूर्वी भारत और पूर्वी भारत में 30 मार्च से बारिश का दौर शुरू हो सकता है। राजधानी दिल्ली के कई इलाकों में गुरुवार और शुक्रवार को आसमान में काले बादलों का डेरा रह सकता है। इसके अलावा बूंदाबांदी भी हो सकती है। गाजियाबाद में आज न्यूनतम तापमान 17 डिग्री सेल्सियस और अधिकतम तापमान 32 डिग्री सेल्सियस रह सकता है।

दिल्ली से सटे हरियाणा के गुरुग्राम में भी 30-31 मार्च और 01 अप्रैल को बारिश देखने को मिल सकती है। इस दौरान यूपी की राजधानी लखनऊ में धूल भरी आंधी चलने का भी पूर्वानुमान है। 30 मार्च की शाम से गुजरात के कुछ हिस्सों में भी बारिश का अनुमान जताया गया है। स्काईमेट वेदर ने अपनी रिपोर्ट में बताया है कि आज अरुणाचल प्रदेश में हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है। इसके अलावा पूर्वोतर भारत, तटीय ओडिशा और दक्षिण तमिलनाडु में हल्की बारिश हो सकती है। 30 मार्च की शाम से उत्तर पश्चिम और मध्य भारत में बारिश और गरज के साथ बौछारें शुरू हो सकती हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

अतीक को उम्रकैद

करीब डेढ़ दशक पहले हुई बसपा विधायक राजू पाल की हत्या के चश्मदीद गवाह उमेश पाल के अपहरण के मामले में प्रयागराज की एमपी-एमएलए अदालत ने बाहुबली अतीक अहमद और उसके दो सहयोगियों दिनेश पासी व सौलत हनीफ को दोषी पाते हुए सश्रम उम्रकैद की जो सजा सुनाई है, उसका स्वागत ही किया जाएगा। समाज में आतंक और खौफ का कारोबार करने वाले तत्वों के खिलाफ ऐसी सजा जहां पीड़ितों के साथ इंसाफ है, वहीं आम नागरिकों को यह तसल्ली भी बख्शती है कि दोषी कितना भी रसूखदार क्यों न हो, उसे कठघरे में आना ही होगा और अपने किए का अंजाम भी भोगना पड़ेगा। उस हत्याकांड को जिस तरीके से अंजाम दिया गया था, और फिर उमेश पाल के अपहरण के जरिये जिस तरह यह पैगाम देने की कोशिश की गई थी कि अतीक के खिलाफ कोई मुंह न खोले, वह सीधे-सीधे कानून के राज व तत्कालीन शासन के इकबाल को गंभीर चुनौती देना था, मगर अफसोसनाक यह है कि अपने सियासी रसूख व मजहबी कार्ड की बदौलत वह कानूनी दांव-पेच का फायदा उठाता रहा और जिम्मेदार राजनीतिक पार्टियां उसका इस्तेमाल करती रहीं। निस्संदेह, यह संतोष की बात है कि इस अपराध से जुड़े एक गुनाह के गुनहगारों को सजा मिल गई है, मगर इस मामले का चिंताजनक पहलू यह है कि इतने जघन्य कांड को पहले फैसले तक पहुंचने में ही लगभग 17 साल लग गए, जबकि ऊपरी अदालतों का इसका सफर अभी बाकी है! आखिर जब गवाह ही खौफजदा होंगे, तो इंसाफ कैसे अपनी मंजिल तय करेगा? सुप्रीम कोर्ट और सरकार को ऐसे मामलों को तयशुदा अवधि में निपटाने की कोई ठोस व्यवस्था करनी चाहिए, जिनसे समाज में नजीर कायम हो सके। हम इस बात को नजरअंदाज नहीं कर सकते कि अतीक जैसे लोग राजनीति का कवच क्यों धारण करते हैं? हमें इस तथ्य को भी नजरअंदाज नहीं करना चाहिए कि देश के सांसदों-विधायकों, पूर्व सांसदों-पूर्व विधायकों के खिलाफ लगभग 3,000 आपराधिक मुकदमे लंबित हैं। इनमें से 950 से अधिक के खिलाफ तो पांच वर्षों से भी अधिक साल से लंबित हैं। कई माननीयों के खिलाफ ऐसे संगीन आरोप हैं कि यदि वे दोषी करार दिए गए, तो उनकी सदस्यता चली जाएगी। भारतीय लोकतंत्र की विडंबना यह है कि इसके विधायी सदनों में दागियों की संख्या उत्तरोतर बढ़ती ही जा रही है। बहरहाल, अतीक को मिली सजा का सारगर्भित संदेश यही है कि बाहुबलियों में नायक तलाशती भीड़ को अपनी आंखें खोलनी चाहिए। जिस शख्स पर करीब 60 मुकदमे चल रहे हों, वह किसी का आदर्श कैसे हो सकता है? वह भी हत्या, अपहरण और फिरौती वसूलने जैसे जघन्य अपराधों का आरोपी! उत्तर प्रदेश सरकार ने माफिया तत्वों के खिलाफ जो सख्त रुख अपनाया है, उससे देश भर की तमाम सरकारें अगर सबक लें और बगैर किसी भेदभाव के सभी रसूखदार अपराधियों के खिलाफ जांच एजेंसियां तत्परता दिखाएं, तो इस नासूर से मुक्ति पाने में बहुत वक्त नहीं लगेगा। राजनीतिक दलों के लिए जिताऊ प्रत्याशी के मोह से मुक्त होने का वक्त आ गया है। वे जब तक अपने-अपने भीतर के अतीकों से छुटकारा नहीं पाएंगे, तब तक उनकी सियासत कभी सुर्खरू नहीं होगी।

आज का राशीफल

मेष आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

वृषभ पारिवारिक दायित्व की पूर्ति होगी। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। रुपये पैसे के लेन देन में सावधानी रखें। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। ससुराल पक्ष से तनाव मिलेगा।

मिथुन जीवन साथी के स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। किसी रिश्तेदार के कारण तनाव मिल सकता है। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

कर्क आर्थिक योजना फलीभूत होगी। धन पद प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। रोजगार के अवसर बढ़ेंगे। प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता मिलेगी। अनावश्यक व्यय से मन अशान्त रहेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें।

सिंह राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। व्यवसायिक व पारिवारिक योजना सफल रहेगी। जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। प्रियजन भेंट संभव।

कन्या संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। नए अनुबन्ध प्राप्त होंगे। किसी बहुमूल्य वस्तु के पाने की अभिलाषा पूरी होगी। व्यर्थ की भागदौड़ भी रहेगी।

तुला जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी। आमोद-प्रमोद के साधनों में वृद्धि होगी।

वृश्चिक व्यावसायिक योजना सफल होगी। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

धनु पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। धन पद प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। किसी रिश्तेदार के कारण तनाव मिल सकता है। विरोधियों का पराभव होगा। वाद विवाद की स्थिति आपके हित में न होगी।

मकर दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। अनावश्यक कष्टों का सामना करना पड़ेगा।

कुम्भ बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। शासन सत्ता से तनाव मिलेगा। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। ईश्वर के प्रति आस्था बढ़ेगी।

मीन गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। कार्यक्षेत्र में कठिनाइयों का सामना करना पड़ेगा। खान-पान में संयम रखें। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

राम नवमी-पुनीत पर्व

(लेखक- विद्यावाचस्पति डॉक्टर अरविन्द प्रेमचंद जैन)

भारतीय भूमि हमेशा से ही एक पवित्र भूमि रही है, इतिहास के अनुसार यहाँ कई देवी देवताओं ने अवतार लिए है। अगर हम इसी इतिहास पर ध्यान केंद्रित करें, तो जब रावण के अत्याचार बहुत बढ़ गए और लोग परेशान हो गए, तो इन अत्याचारो से मुक्ति दिलाने के लिए पुनः भारतीय भूमि पर एक महापुरुष ने जन्म लिया। इस महापुरुष का नाम भगवान राम था, जिन्होंने रावण के अत्याचारों से मुक्ति दिलवाई और उस वक़्त लोगों का उद्धार किया। त्रेता युग में जन्में भगवान राम के जन्मदिवस को ही राम नवमी के रूप में मनाया जाता है।

महत्व

हर हिन्दू त्योहार का अपना एक अलग महत्व होता है, उसी तरह से राम नवमी का यह त्योहार धरती पर से बुरी शक्तियों के पतन और यहाँ साधारण मनुष्यों को अत्याचारों से मुक्ति दिलवाने के लिए भगवान के स्वयं आगमन का प्रतीक मानी जाती है। इस दिन धरती पर से असुरों के अत्याचारों को समाप्त करने के लिए भगवान विष्णु ने स्वयं धरती पर अवतार लिया था। राम नवमी सभी हिंदुओं के लिए एक खास उत्सव है, जिसे वह पूरे उत्साह से मनाता है। इस दिन जन्में श्री राम ने धरती पर से रावण के अत्याचार को समाप्त कर यहाँ राम राज्य की स्थापना की थी और दैवीय शक्ति के महत्व को समझाया था।

इस दिन ही नवरात्रि का अंतिम दिन भी होता है, इसलिए दो प्रमुख हिन्दू त्योहारो का एक साथ होना, इस त्योहार के महत्व को और अधिक बढ़ा देता है। कहा जाता है कि श्री गोस्वामी तुलसीदास जी ने जिस राम चरित मानस की रचना की थी, उसका आरंभ भी उन्होने इसी दिन से किया था।

त्रेता युग में जब धरती पर रावण और तड़का जैसे असुरो का आतंक बढ़ गया तो स्वयं भगवान विष्णु और माता लक्ष्मी के अवतारो का धरती पर आगमन हुआ और इन्होने अपने भक्तो का उद्धार किया। पुरानी कथाओ के अनुसार त्रेता युग में अयोध्या के राजा दशरथ की 3 पत्नियाँ थी, परंतु फिर भी वे संतान सुख से वंचित थे। महाराज दशरथ ने अपनी एक मात्र पुत्री शांता को गोद दे दिया था, जिसके बाद उन्हें कई वर्षो तक कोई संतान नहीं हुई। इससे व्यथित राजा दशरथ को ऋषि वशिष्ठ ने कमेष्टि यज्ञ करवाने की आज्ञा दी। इस यज्ञ के फलस्वरूप राजा दशरथ के यहाँ तीनों रानियों को पुत्र रत्न की प्राप्ति हुई और उनकी प्रथम पत्नी कौशल्या की कोख से भगवान राम का जन्म हुआ। राजा दशरथ के तीन अन्य पुत्र भरत, लक्ष्मण और शत्रुघ्न थे।

राम के गुरु :

ब्रह्म ऋषि वशिष्ठ भगवान राम के गुरु थे, जिन्होंने उन्हें वैदिक ज्ञान के साथ- साथ शस्त्र अस्त्र में निपूर्ण किया। ब्रह्म ऋषि विश्वामित्र ने भी राम को शस्त्र विद्या दी और इन्ही के मार्गदर्शन में राम ने तड़का वध एवम अहिल्या उद्धार किया और सीता स्वयम्वर में हिस्सा लिया और सीता से विवाह किया।

राम वनवास कथा

महाराज दशरथ अपने जेष्ठ पुत्र राम को अपना उत्तराधिकारी बनाना चाहते थे, लेकिन उनकी अन्य पत्नी कैकई की मंशा थी, कि उनका पुत्र भरत सिंहासन पर बैठे, इसलिए उन्होंने राजा दशरथ से अपने दो वरदान (यह वे वरदान थे, जिनका वचन राजा दशरथ ने तब दिया था, जब युद्ध के दौरान रानी कैकई ने राजा दशरथ के प्राणों की रक्षा की थी) मांगे, जिसमे उन्होंने भरत का राज्य अभिषेक और राम के लिए वनवास माँगा और इस तरह भगवान राम को चौदह वर्षो का वनवास मिला। इस वनवास में सीता एवम भाई लक्ष्मण ने भी अपने भाई के साथ जाना स्वीकार किया। साथ ही भरत ने भी भातृप्रेम को सर्वोपरि रखा और एक वनवासी की तरह ही चौदह वर्षो तक अयोध्या को एक अमानत के रूप में स्वीकार किया।

वनवास काल :

इस वनवास में भगवान राम ने कई असुरों का संहार किया। शायद कैकई के वचन केवल आधार थे, क्यूंकि नियति कुछ इस प्रकार थी। भगवान राम ने अपने वनवास काल में हनुमान जैसे सेवक, सुग्रीव जैसे मित्र को पाया। नियति ने सीता अपहरण को निम्मित बनाकर रावण का संहार किया। सीता जन्म का उद्देश्य ही रावण संहार था, जिसे श्री राम ने पूरा कर मनुष्य जाति का उद्धार किया।

राम राज्य :

श्री ने वनवास काल पूर्ण किया और भरत ने अपने बड़े भ्राता को अयोध्या का राज पाठ सौंपा। मर्यादा पुरुषोत्तम राम ने एक ऐसे राम राज्य की स्थापना की। जिसे सदैव आदर्श के रूप में देखा गया। राम ने प्रजा हित के सीता का परित्याग किया। अपने कर्तव्यों के लिए उन्होंने स्वहित को द्वीतीय स्थान दिया और इस तरह राम राज्य की स्थापना की।

राम के लव कुश :

सीता ने प्रजाहित के लिए परित्याग स्वीकार किया और अपना जीवन वाल्मीकि आश्रम में बिताया और उस समय सीता ने दो पुत्रो को जन्म दिया, जिनका नाम लव कुश था। यह दोनों ही पिता के समान तेजस्वी थे। इन्ही के हाथो राम ने अपने राज्य को सौंपा और स्वयं ने अपने विष्णु अवतार को धारण कर अपने मानव जीवन को छोड़ा।

त्रेता युग में लोग रावण नामक राक्षस के अत्याचार बहुत बढ़ गए थे और लोग परेशान हो गए थे। रावण महाज्ञानी था और महापराक्रमी भी, वह भगवान शिव का महाभक्त भी था। उसे वरदान भी प्राप्त थे, उसका खात्मा किसी साधारण मनुष्य के वश में नहीं था। तब लोगों को उसके अत्याचारों से मुक्ति दिलवाने के लिए भगवान विष्णु ने स्वयं धरती पर अवतार लिया। उनका जन्म चैत्र शुक्ल पक्ष की नवमी के दिन रानी कौशल्या की कोख से हुआ था। इसलिए यह दिन सभी भारत वासियों के लिए खास है, जिसे विशेष उत्साह के साथ पूरे देश मे मनाया जाता है।

परंतु रावण का वध करना श्री राम के पूजन का कारण नहीं है, बल्कि श्री राम का पूरा जीवन ही एक उदाहरण है। अपने जीवन चरित्र के चलते श्री राम मर्यादा पुरषोत्तम कहलाए। इनहोने अपने पिता के एक आदेश मात्र पर, महल के सुख त्यागकर वन जीवन को स्वीकार किया था। इस प्रकार इनके जीवन को एक आदर्श जीवन के रूप मे प्रस्तुत करना और आने वाली पीढ़ियों तक यह संदेश पंहुचाना भी इस दिन को मनाने का एक उद्देश्य है।

राम नवमी हिन्दू धर्म के लोगों द्वारा मनाया जाने वाला एक त्योहार है, जिसे भगवान राम के जन्मोत्सव के रूप में मनाया जाता है। जैसा कि नाम से ही स्पष्ट है, यह त्योहार नवमी तिथि के दिन पड़ता है और इसका माह चैत्र है। चैत्र माह में माँ दुर्गा की भी पूजा की जाती है और नवरात्रि मनाई जाती है। इसी दौरान नवरात्रि के नौवे दिन राम नवमी होती है। हिन्दू धर्म में इस दिन विभिन्न धार्मिक ग्रंथो का पाठ, हवन पूजन, भजन आदि किया जाता है। इस दिन कई लोग शिशु रूप में भगवान राम की मूर्ति पूजा भी करते है।

इस दिन राम लला के मंदिर आकर्षण का केंद्र होते है, साथ ही यहाँ का प्रसाद वितरण भी खास होता है। कुछ लोग इस समय नवरात्रि में पूरे नौ दिन का उपवास रखते है और अंतिम दिन भगवान राम की पूजा के बाद उपवास खोलते है और आशीर्वाद प्राप्त करते है। जैसा की हम जानते है, भारत में बहुत ही विभिन्नताएँ है, इसलिए यहाँ प्रचलित कुछ मानताओं में भी कुछ विभिन्नता देखने के लिए मिलती है। दक्षिण भारत के लोग इस त्योहार को भगवान राम और देवी सीता की शादी की सालगिरह के रूप में मानते है, परंतु रामायण के अनुसार अयोध्यावासी पंचमी के दिन इनका विवाहोत्सव मनाते है।

अलग अलग क्षेत्रों में इस त्योहार को मनाने का तरीका भी अलग है। जहां अयोध्या और बनारस में इस दिन गंगा और सरयू में स्नान के बाद डुबकी लगाई जाती है और भगवान राम, सीता और हनुमान की रथ यात्रा का आयोजन किया जाता है, वही अयोध्या, सितामणि, बिहार रामेश्वरम आदि जगहो पर चैत्र पक्ष की नवमी पर भव्य आयोजन किए जाते है। यह दिन सभी हिंदुओं के लिए खास होता है, बस सबके मनाने का तरीका अलग होता है।

कई जगहों पर इस दिन पंडालों में भगवान राम की मूर्ति कि स्थापना भी कि जाती है। यह दिन भगवान राम की जन्म स्थली अयोध्या में विशेष रूप से मनाया जाता है, परंतु यहाँ अब भी भगवान राम का मंदिर बनना बाकी है।

भगवान राम का पूरा जीवन ही एक उदाहरण है उनका जीवन त्याग, तप सम्मान और शांति का प्रतीक है। इनका जीवन पारिवारिक प्रेम का भी उदाहरण हैं इनके मन मे अपने भाइयो के प्रति अपार प्रेम था जो माता कैकई के भेदभाव के बाद भी कम नहीं हुआ। इसी के साथ कैकई के गलत निर्णय के बाद भी इनके मन मे अपनी माँ कैकई के लिए भी समान सम्मान और प्यार था। इसके अलावा उनका जीवन यह बात भी दर्शाता है कि जब जब धरती पर अत्याचार बढ़ेंगे और पाप का घड़ा पुण्य से ज्यादा उचा होगा तो आम जनता को उनसे बचाने वाले का भी अवतरण होगा। वैसे तो संपूर्ण भारतीय इतिहास ही इस बात का उदाहरण है तभी तो यहाँ कृष्ण, राम और अन्य कई भगवान के अवतरण के प्रतीक आज भी देखने के लिए मिलते है।

राम नाम का महत्व न जाने वो अज्ञानी अभागा हैं
जिसके दिल में राम बसा वो सुखद जीवन पाता हैं
राम नवमी पर जन्म हुआ इस मर्यादा पुरुषोत्तम राम का
जिसने रावण के अहंकार को मिटाकर फैराया पताका सच्चाई का।

सनातन संस्कृति के आदर्श श्रीराम

लेखक -सुनील माथुर)

(श्रीराम नवमी पर विशेष)

श्रीराम हमारे आराध्य हैं। वह सनातन संस्कृत के ध्वजवाहक हैं। राम सिर्फ मर्यादा पुरुषोत्तम ही नहीं हमारे समग्र संस्कार में समाहित हैं। राम के बिना पूरी हिंदू संस्कृति अधूरी है। वह जीवन दर्शन हैं। श्रीराम हमारे संस्कार हैं। हमें सदसच्चरित्र देते हैं। अत्याचार से लड़ने की तागत देते हैं। विषम परिस्थितियों में भी जीवन को कैसे जिया जाय यह भी बताते हैं। श्रीराम के लिए धन, वैभव, यश, मान, सम्मान से कहीं अधिक ऊंचा उनका आचरण है। उन्हें सत्ता नहीं सदाचार प्रिय। वह हमेशा मर्यादा में रहना चाहते हैं और हर प्राणी के सम्मान की रक्षा चाहते हैं। वह प्रजारंजक हैं। उपकार और परोपकार उनका जीवन दर्शन है। इसलिए राम हमारे कण-कण में विराजमान है। श्रीराम को भगवान के रूप में पूजने के बजाय हम उन्हें लोक नायक के रूप में अधिक समझ सकते हैं। तभी हमारे लिए चैत रामनवमी की सार्थकता समझ में आएगी।

अयोध्या श्रीराम की जन्मभूमि और जीवन संस्कार है। हिंदू धर्म की पौराणिक मान्यता के अनुसार अयोध्या सप्त पुरियों मथुरा, माया , काशी, कांची, अवंतिका और द्वारका में शामिल है। श्रीराम की नगरी अयोध्या को अथर्ववेद में भगवान की नगरी कहा गया है। अयोध्या के शाब्दिक विश्लेषण से पता चलता है कि अ से ब्रह्मा, य से विष्णु और ध से रुद्र यानी त्रिदेव का स्वरूप है अयोध्या। जहां ब्रह्मा, विष्णु और शंकरजी स्वयं विराजमान हैं। अयोध्या के कण-कण में मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम बसे हैं। इसे हिंदू, बौद्ध, जैन और सिख धर्म का मौलिक स्वरूप माना जाता है। सरयू नदी के पावन तट पर बसी है अयोध्या। इसकी स्थापना महाराज मनु ने की थीं। इसे साकेत के नाम से भी जाना जाता है।

श्रीराम विकारों से मुक्त उत्तम और मर्यादा पुरुषोत्तम हैं। इसी लिया उन्हें श्रेष्ठ मर्यादा का वाहक मर्यादा पुरुषोत्तम कहा गया है। वह धर्म, विवेक और आदर्श, के साथ मर्यादा और नैतिकता के प्रतीक हैं। वह मनवता के धर्मप्राण हैं। अहंकार और अविवेक रहित हैं। वह क्रोध, पाप से बिलग हैं। वह समदर्शी हैं। उन्होंने अपने निहित स्वार्थ के लिए धर्म की ध्वज को कभी गिरने नहीं दिया। न्याय और धर्म को हमेशा शीर्ष पर रखा। पिता महराज दशरथ और माँ कैकैई के वचनों के अनुपालन में राजसत्ता और वनवास को त्याग दिया। प्रजा के भावनाओं को उन्होंने हमेशा सम्मान किया। अयोध्या की प्रजा कि तरफ़ से आशंका उठने पर माँ सीता को वनवास भेज दिया। श्रीराम लोक मर्यादा को कहीं से भी भंग नहीं होने दिया। यहीं वजह रहीं कि वह लोकरंजक कहलाए। उन्हें प्रजारंजक कहा गया। राज्य विस्तार को उन्होंने सिरे से खारिज किया। लंका को जीत कर विभीषण का राजतिलक किया। बालि के कुकर्मों का अंतकर सुग्रीव को राजा बनाया तो अंगद को युवराज। राक्षसों को वध कर दण्डकारण्य ऋषियों और मुनियों को दिया।

श्रीराम हिंदुत्व के ध्वजवाहक हैं। वह धर्म हैं, संस्कार हैं। संस्कृति हैं। श्रीराम हिंदुत्व के राग, रंग और संस्कार हैं।वह मानववता के आधार स्तम्भ हैं। उनका अवतार ही इस धरा पर धर्म के अवतार के रूप में हुआ। मानवता के कल्याण और समाज के आदर्शवाद के लिए उन्होंने अपना पूरा जीवन लोक कल्याण के लिए समर्पित कर दिया। उन्होंने हमेशा अयोध्या में धर्म को राज्य के नीति में शामिल किया।

श्रीराम की अयोध्या रघुवंशी राजाओं की बेहद प्राचीन राजधानी थी। यह यह कौशल की राजधानी थी। वाल्मीकि रामायण में अयोध्या 12 योजन लम्बी और 3 योजन चौड़ी बताई गई है। आईन-ए-अकबरी के अनुसार अयोध्या कि लंबाई 148 कोस तथा चौड़ाई 32 कोस मानी गई है। 'कोसल नाम मुदित- स्फीतो जनपदो महान। निविष्ट- सरयूतीरे प्रभूतधनधान्यवान' का उल्लेख है। अयोध्या के दर्शनीय स्थलों में हनुमान गढ़ी, रामदरबार, सीतामहल, राम की पैड़ी, गुप्त द्वार घाट, कैकेयी घाट, कौशल्या घाट, पापमोचन घाट, लक्ष्मण जैसे प्रमुख स्थल हैं। भगवान राम का जन्म चैत्र मास की नवमी को रामनवमी के रूप में मनाया जाता है। कहते हैं कि 1528 में बाबर के सेनापति मीरबकी ने अयोध्या में राम जन्मभूमि पर स्थित मंदिर तोड़कर बाबरी मस्जिद बनवाई। अयोध्या का का शाब्दिक अर्थ है जहाँ कभी युध्द न हुआ हो अर्थात अ-युध्य अथार्थ 'जहां कभी युद्ध नहीं होता।

देश में हम रामराज्य स्थापित करना चाहते हैं लेकिन राम जैसा आचरण हम नहीं करते हैं। हम श्रीराम को वोट बैंक बना कर सिर्फ सत्ता साधना चाहते हैं। लेकिन हमें श्रीराम जैसा आचरण करने की भी जरूरत है। हम श्रीराम का नाम लेकर सत्ता में आ जाते हैं और अपने दलिए हितों के लिए लोकतांत्रिक व्यवस्थाओं और संस्थाओं का दुरुपयोग करते हैं। जबकि श्रीराम ने ऐसा कभी नहीं किया उन्होंने लोक मर्यादा के संरक्षण के लिए अयोध्या का राज सिंहासन भी त्याग दिया। परिवार में लोकतंत्र कायम करते हुए वनवास चले गए। हम नारों से रामराज्य नहीं ला सकते हैं। राजनीति में चाल, चरित्र और चेहरा बदलने की आवश्यकता है।

(स्वतंत्र लेखक और पत्रकार)

विचार मंथन

इजराइल में जीता लोकतंत्र, झुके प्रधानमंत्री नेतन्याहू

(लेखक-सनत जैन)

इजराइल में हो रहे जन आंदोलन ने प्रधानमंत्री नेतन्याहू को उनकी हेसियत बता दी है। वह एक तानाशाह की तरह संविधान को अपने अनुकूल बनाकर प्रधानमंत्री पद पर हमेशा बने रहने की राह पर चल रहे थे। लेकिन जन आंदोलन ने उनकी हवा निकाल दी। इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने सरकार में न्यायिक सुधारों की योजना को अब टालने का निर्णय लिया है। वह न्यायपालिका में इस तरीके के सुधार करना चाहते थे। जिससे प्रधानमंत्री नेतन्याहू जो भी चाहें, वह निर्णय कर सकें, उन पर न्यायपालिका का कोई हस्तक्षेप ना हो। इसके लिए संविधान में संशोधन कर रहे थे। इसमें सरकार को जजों की नियुक्ति करने का अधिकार मिल जाता। प्रधानमंत्री नेतन्याहू को किसी भी मामले में दोषी नहीं ठहराया जा सकता था। न्यायपालिका किसी भी मामले में प्रधानमंत्री के खिलाफ कोई आदेश नहीं दे सकती थी। न्यायिक सुधार का जो बिल पेश किया गया था। उसमें देश की संसद के जरिए सत्ताधारी पार्टी को, इजरायल की न्यायपालिका पर नियंत्रण का अधिकार मिल जाता। इसमें न्यायाधीशों का चयन, सर्वोच्च न्यायालय किन विषयों पर विचार करे, यहां तक कि सर्वोच्च न्यायालय द्वारा दिए गए फैसले को पलटने का अधिकार भी सरकार को दिया जा रहा था। इसमें बिल का एक हिस्सा पहले ही पारित किया जा चुका था।

न्यायिक सुधार का जो बिल पेश किया गया, यदि यह लागू हो जाएगा, तो इजराइल में लोकतंत्र खत्म हो जाएगा। प्रधानमंत्री के पास, सरकार और संसद की सारी शक्तियां निहित हो जाएंगी। इस तरह से लोकतंत्र के स्थान पर तानाशाही वाला शासन इजराइल में लागू हो जाता।

इजरायल की जनता प्रारंभ से ही न्यायिक सुधार बिल का विरोध कर रही थी। लेकिन बहुमत के आधार पर बिल पास करने पर नेतन्याहू अड़े हुए थे। जिसके कारण इजराइल की 84 लाख की आबादी वाले देश में, 60 लाख से अधिक लोग सड़कों पर आ गए। इजराइल में नागरिकों के साथ-साथ सभी बड़ी ट्रेड यूनियन, डॉक्टरों उद्योगपतियों और सेना के एक बड़े वर्ग ने सड़क पर उतर कर प्रदर्शन किया। कई शहरों के एयरपोर्ट बंद हो गए। इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने जब देश के रक्षा मंत्री योआव गेलेंट को बर्खास्त किया। उसके बाद इजराइल की जनता भड़क गई। इजराइल में उग्र प्रदर्शन शुरू हो गए। प्रदर्शनकारी प्रधानमंत्री आवास की ओर कूच कर गए। प्रदर्शनकारी रात भर संसद के सामने जमे रहे। इन प्रदर्शन से घबराकर प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने अपने कदम पीछे खींच लिए। न्यायिक सुधारों को लेकर इजरायल के इतिहास में अभी तक का सबसे बड़ा जन आंदोलन था। पहली बार इजरायल को इस आंदोलन की ताकत को सारी दुनिया ने देखा है। न्यायिक सुधारों के विरोध में हुए, इस आंदोलन में भारत की सुप्रीम कोर्ट के पूर्व न्यायाधीश नागेश्वर राव भी आमंत्रित किए गए थे। न्यायिक स्वतंत्रता पर उन्होंने एक आपातकालीन सम्मेलन में भाग लिया था। न्यायिक स्वतंत्रता की रक्षा के लिए इस आंदोलन को उन्होंने लोकतंत्र की सबसे बड़ी जीत बताया है। इजरायल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू पर धोखाधड़ी, रिश्वतखोरी आदि को लेकर कई

मुकदमे अदालतों में चल रहे हैं। उन्हें डर है, कि जब इसके फैसले आएंगे। तो उन्हें सजा हो सकती है। इससे बचने के लिए उन्होंने न्यायिक सुधार के नाम पर अपने आप को सुरक्षित रखने के लिए न्यायिक सुधार का बिल लाये थे। लेकिन जन आंदोलन ने उसे पूरी तरह से विफल कर दिया। भविष्य को नेतन्याहू का राजनैतिक जीवन भी उसका आसान नहीं होगा। जो उन्होंने सोच लिया था। अब उन्हें कई परीक्षाओं के दौर से गुजरना होगा।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

शेयर बाजार बढ़त के साथ बंद

मुम्बई ।

शेयर बाजार बुधवार को तेजी के साथ बंद हुआ। बाजार में ये उछाल दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही लिवाली बढ़ने से आया है। आज कारोबार के दौरान सभी इंडेक्स ऊपर आये। मार्च सीरीज के अंतिम दिन मिडकैप, स्मॉलकैप शेयरों में भी अच्छी खरीदारी रही। इसके अलावा धातु, संपत्ति, और वाहन शेयरों में भी बढ़त रही। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 346.37 अंक करीब 0.60 फीसदी बढ़कर 57,960.09 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं पचास शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 129.00 अंक तकरीबन 0.76 फीसदी ऊपर आकर 17,080.70 के स्तर पर बंद हुआ.

वहीं गत पिछले कारोबारी सत्र में बाजार हल्की गिरावट पर बंद हुआ था। आज के कारोबार में सेंसेक्स के शेयरों में 26 शेयर लाभ के साथ ही हरे निशान पर बंद हुए। एचसीएल टेक्नोलॉजीज, टाटा मोटर्स, बजाज फाइनैंस, हिंदुस्तान युनिलिवर और एनटीपीसी सेंसेक्स के शीर्ष पांच सबसे अधिक लाभ वाले शेयरों में रहे। एचसीएल टेक्नोलॉजीज के शेयर करीब 2.72 फीसदी तक बढ़े। वहीं दूसरी ओर सेंसेक्स के शेयरों में केवल 4 शेयर ही नुकसान के साथ ही लाल निशान पर बंद हुए। भारती एयरटेल, रिलायंस, आईसीआईसीआई बैंक और एशियन पेंट्स सेंसेक्स के सबसे ज्यादा नुकसान वाले शेयर रहे। सबसे अधिक नुकसान भारती एयरटेल के शेयरों को हुआ। इसके शेयर करीब 0.63 फीसदी तक नीचे आये। इससे पहले आज सुबह बाजार बुधवार तेजी के साथ खुला। आज सुबह 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 200 अंक और 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 50 अंक से अधिक की बढ़त के साथ करोबार कर रहा था। सेंसेक्स 200 अंक से अधिक बढ़कर 57,823 के स्तर पर कारोबार कर रहा है। वहीं निफ्टी 17,000-अंक पर कारोबर कर रहा है। वहीं एसएंडपी बीएसई निफ्टी मिडकैप 100 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 सूचकांकों में 0.1 फीसदी तक की बढ़त के साथ खुला।

रुपया गिरावट पर बंद

मुम्बई । अमेरिकी डॉलर के मुकाबले बुधवार को भारतीय रुपया गिरावट पर बंद हुआ है। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 15 पैसे की गिरावट के साथ ही 82.31 रुपये (अस्थायी) प्रति डॉलर पर बंद हुआ। डॉलर के मजबूत होने और कच्चे तेल की कीमतों में बढ़त से रुपये में यह गिरावट आई। घरेलू शेयर बाजार में मजबूती से हालांकि रुपये में बड़ी गिरावट पर अंकुश लग गया। वहीं अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 82.26 प्रति डॉलर पर काफी कमजोर खुला। कारोबार के अंत में यह अपने पिछले बंद भाव की तुलना में 15 पैसे की गिरावट के साथ 82.31 प्रति डॉलर पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान रुपया 82.23 के उच्चस्तर और 82.37 के निचले स्तर पर पहुंचा। वहीं गत कारोबारी सत्र में रुपया 82.16 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। इस बीच, छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.02 फीसदी बढ़कर 102.13 हो गया।

ग्रीनको को 1,300 मेगावॉट हरित ऊर्जा की आपूर्ति करेगी एनटीपीसी रिन्यूएबल एनर्जी

मुंबई । सार्वजनिक क्षेत्र की एनटीपीसी ग्रीन एनर्जी लि. की पूर्ण अनुषंगी एनटीपीसी रिन्यूएबल एनर्जी आंध्र के काकीनाडा में ग्रीनको द्वारा स्थापित हो रहे हरित अमोनिया संयंत्र को 1,300 मेगावॉट हरित बिजली की आपूर्ति करेगी। एनटीपीसी रिन्यूएबल एनर्जी लि. ने ग्रीनको समूह की कंपनी ग्रीनको जीरो सी प्राइवेट लि. के साथ 1,300 मेगावॉट नवीकरणीय ऊर्जा की आपूर्ति के लिए समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। यह बिजली आपूर्ति ग्रीनको के काकीनाडा में स्थापित हो रहे अमोनिया कारखाने को की जाएगी। समझौते पर एनटीपीसी रिन्यूएबल एनर्जी लि. के मुख्य महाप्रबंधक राजीव गुप्ता और ग्रीनको समूह के संस्थापक और संयुक्त प्रबंध निदेशक महेश कोली ने दस्तखत किए।

अडानी ग्रुप का मार्केट कैप एक दिन में ही घटा 50 हजार करोड़

-अडानी को लगा सबसे बड़ा झटका, अमीरों की लिस्ट में भी लुढ़के

नई दिल्ली । अडानी ग्रुप का मार्केट कैप एक दिन में ही 50 हजार करोड़ रुपये घट गया है। इतना ही नहीं, गौतम अडानी दुनिया के अमीरों की लिस्ट में भी नीचे लुढ़क गए हैं। गौतम अडानी को एक बार फिर बड़ा झटका लगा है। बाजार में अडानी ग्रुप के शेयरों में एक बार फिर गिरावट देखने को मिल रही है। बीते मंगलवार को भी अडानी ग्रुप के शेयरों में गिरावट देखने को मिली थी। अडानी के 10 में से छह कंपनियों के शेयर 5 फीसदी की गिरावट के साथ लोअर सर्किट पर लगे हुए थे। ग्रुप की फ्लैगशिप कंपनी अडानी एंटरप्राइजेज के शेयर 7.1प्रतिशत नीचे बंद हुआ था। इसी की वजह से अडानी ग्रुप का मार्केट कैप 50,165 करोड़ रुपये कम हो गया है। यह एक महीने में सबसे बड़ी गिरावट में से एक है। अमेरिकी रिसर्च फर्म हिंडनबर्ग की रिपोर्ट आने के बाद अडानी ग्रुप को भारी नुकसान उठाना पड़ा था। बीते 24 जनवरी को हिंडनबर्ग की रिपोर्ट आई थी। इसके बाद से अडानी ग्रुप की कंपनियों के शेयरों में लगातार गिरावट देखी गई थी। बीते दिनों ग्रुप के शेयरों में गिरावट का सिलसिला थमा था। अब सोमवार से दोबारा अडानी ग्रुप के स्टॉक्स में गिरावट देखी जा रही है। बीएसई के आंकड़ों के मुताबिक, 25 जनवरी 2023 के बाद से, अडानी समूह का कुल एमकैप 19.2 लाख करोड़ रुपये से घटकर 8.9 लाख करोड़ रुपये हो गया है। गौतम अडानी दुनिया के अरबपतियों की लिस्ट में फिर लुढ़क गए हैं। हिंडनबर्ग की रिपोर्ट आने के बाद शेयरों में लगातार गिरावट की वजह से अडानी की नेटवर्थ को काफी नुकसान हुआ था। इसके चलते गौतम अडानी दुनिया के अमीरों की लिस्ट में टॉप 30 से भी बाहर हो गए थे।

आम आदमी पर अगले महीने से पडेगी महंगाई की मार

-देश में एक अप्रैल से महंगे हो जाएंगे ये सामान

नई दिल्ली । अगले महीने अप्रैल से आम आदमी पर महंगाई की मार पड़ने वाली है। कई सामान ऐसे हैं जो एक अप्रैल से महंगे हो जाएंगे। महंगे होने वाले सामानों का सीधा बोझ आम आदमी की जेब पर पड़ेगा। आम आदमी जो पहले ही महंगाई की आग से झुलस रहा है। सामानों के दाम बढ़ने से उसकी मुश्किलें और बढ़ जाएंगी। हालांकि अप्रैल में कुछ चीजों के दाम कम भी होने वाले हैं। यहां हम आपको महंगे और सस्ते होने वाले दोनों सामानों की लिस्ट देने जा रहे हैं। इससे आपको किसी तरह की कई परेशानी नहीं होगी। सरकार 1 अप्रैल 2023 से आयात शुल्क में इजाफा करने की योजना बना रही है। इसकी वजह घरेलू उद्योग को मजबूत करना है। सरकार अगर आयात शुल्क में बढ़ोतरी करती है तो इससे कई सामानों के दाम बढ़ जाएंगे। इसमें प्लास्टिक के सामान, आभूषण, हाई-ग्लॉस पेपर, विमटामिन, निजी विमान, हेलीकॉप्टर और हाई-एंड इलेक्ट्रॉनिक्स की कीमतों में बढ़ोतरी हो सकती है। बता दें कि वित्त मंत्री, निर्मला सीतारमण ने केंद्रीय बजट 2023 में घोषणा की थी कि एक अप्रैल से इलेक्ट्रिक चिमनी, सोना और प्लेटिनम जैसे सामानों की कीमतों में इजाफा हो जाएगा।केंद्र ने एसिटिक एसिड, कटे और पॉलिश किए गए हीरे और सेल फोन के लिए कैमरा लेंस पर आयात टैक्स कम कर दिया है। वहीं केंद्र ने प्रयोगशाला में बने हीरों को बनाने के लिए इस्तेमाल होने वाले बीजों पर मूल सीमा शुल्क में भी कटौती की है। जानकारी के मुताबिक, चिमनियों पर सीमा शुल्क को 7.5 फीसदी से बढ़ाकर 15 फीसदी कर दिया गया है।वित्त मंत्री ने घोषणा की थी कि एक अप्रैल से कैमरा लेंस, स्मार्टफोन जैसे सामाना सस्ते हो जाएंगे।

1 अप्रैल से बढने वाली है दवाओं की कीमत

-900 दवाओं के 12 प्रतिशत तक बढ़ेंगे दाम

नई दिल्ली । आगामी एक अप्रैल से पेनकिलर्स से लेकर एंटीबायोटिक समेत कई जरूरी दवाओं की कीमत बढ़ने वाली है। सरकार ने दवा कंपनियों को एनुअल होलसेल प्राइज इंडेक्स में बदलाव के अनुरूप दवा की कीमतें बढ़ाने की अनुमति दे दी है। जिन दवाइयों की कीमतें बढ़ेंगी, उनमें पैरासिटामोल भी शामिल है, जिसका सामान्य बुखार और दर्द में इस्तेमाल होता है। एक रिपोर्ट के अनुसार पेनकिलर्स, एंटी-इन्फेक्टिव्स, एंटीबायोटिक्स और दिल की दवाओं सहित लगभग 900 दवाओं की कीमत 12 प्रतिशत से ज्यादा तक बढ़ सकती है। मालूम हो कि यह लगातार दूसरा साल है जब अनुसूचित दवाओं की कीमतों में वृद्धि गैर-अनुसूचित दवाओं की तुलना में अधिक होगी। अनुसूचित दवाएं आवश्यक दवाओं की राष्ट्रीय सूची का हिस्सा हैं ।गौरतलब है कि दवा मूल्य नियामक नेशनल फार्मास्युटिकल प्राइसिंग अथॉरिटी को हर साल 1 अप्रैल या उससे पहले पिछले कैलेंडर वर्ष के एनुअल होलसेल प्राइज इंडेक्स के मुताबिक अनुसूचित दवाओं की कीमत को संशोधित या बढ़ाने की अनुमति है। कीमत को संशोधित करने और बढ़ाने को लेकर अनुसूचित ड्रग प्राइस कंट्रोल ऑर्डर 2013 के क्लॉज 16 में नियम बना हुआ है। इसी नियम के तहत एनपीपीए हर साल दवाओं की कीमतों में संशोधन करता है और नई कीमतें 1 अप्रैल से लागू की जाती है। बता दें कि जरूरी दवाओं की कीमतों में 12 फीसदी की बढ़ोतरी तय की गई है। पेन किलर, एंटी इंफेक्शन और दिल की बीमारियों की दवाइयों से लेकर एंटीबायोटिक्स दवाओं की कीमतें उनमें शामिल हैं जिनकी कीमतें 1 अप्रैल से बढ़ने जा रही है।

अगले कुछ वर्षों में करीब तीन हजार करोड़ रुपये का निवेश करेगा आईटीसी लिमिटेड : संजीव पुरी

एफएमसीजी और होटल सेक्टर में निवेश की योजना

मुंबई ।

आईटीसी लिमिटेड के चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर संजीव पुरी के मुताबिक, आने वाले समय में कंपनी के निवेश में तेजी लाई जाएगी। कोरोना के दौरान कंपनी के निवेश में कमी आई थी। अब अगले कुछ वर्षों के लिए करीब तीन हजार करोड़ रुपये का फंड रखा जाएगा। इसका उपयोग मैन्युफैक्चिरिंग कैपेसिटी को बढ़ाने और ग्रोथ को रफ्तार देने में होगा। उनके मुताबिक, आने वाले वित्तीय वर्ष से फास्ट-मूविंग कंज्यूमर गुड्स (एफएमसीजी) उद्योग रूरल डिमांड में तेजी के कारण बिक्री के वॉल्यूम में उछाल आएगा। इसमें पहले से ही रिकवरी के शुरुआती संकेत दिखने लगे हैं। पुरी के मुताबिक, महंगाई में कमी और प्रोडक्ट की कीमतों में सुधार के साथ पुनरुद्धार में तेजी आएगी।पुरी ने बताया कि पूरी दुनिया में जो कुछ हो रहा है, अगर उसकी तुलना में देखने पर देश में मोदी सरकार ने काफी अच्छा काम किया है। मोदी सरकार ने महंगाई को नियंत्रित करने और मैक्रोज को प्रबंधित करने में उल्लेखनीय काम किया है। देश के सबसे बड़े समूहों में से आईटीसी के चेयरमैन पुरी के मुताबिक, होटल व्यवसाय के लिए अलटरनेटिव स्ट्रक्चर बनाने का प्लान है। इस योजना पर आने वाले दिनों में काम शुरू कर दिया जाएगा। इसमें होटल व्यवसाय को डीमर्ज भी किया जाएगा। कोरोना की वजह से इस योजना में काफी देरी हो गई है। उनके मुताबिक, एफएमसीजी, पेपर और पेपरबोर्ड बिजनस के

लिए विस्तार किया जाएगा। इसके लिए इन बिजनस में और निवेश करना जारी रहेगा। इसके लिए विशेष रूप से टिकाऊ पैकेजिंग के साथ बिजनेस को मजबूत किया जाएगा।

आईटीसी की आने वाले समय में कई निवेश योजनाएं हैं। इसमें ओडिशा में एक इंटीग्रेटेड कंज्यूमर गुड्स फैक्टरी, कर्नाटक में निर्यात के लिए एक डेरिवेटिव प्लांट, पश्चिम बंगाल में एक पर्सनल केयर प्रोडक्ट फीचर और मध्य प्रदेश में एक फाइबर उत्पाद इकाई आदि शामिल हैं। पुरी के मुताबिक, कोविड-19 में पर्यटन पर बुरा असर पड़ा था। अब फिर से पर्यटकों की संख्या बढ़ रही है। इसमें घरेलू पर्यटन में तेजी आई है। घरेलू पर्यटन की मांग मजबूत हुई है। सभी सेक्टरों में तेजी से इजाफा देखा जा रहा है।

सेबी ने डीमैट खाताधारकों और म्यूचुअल फंड निवेशकों को दी राहत

मुंबई ।

शेयर बाजार में ट्रेड करने वालों और म्यूचुअल फंड में निवेश करने वालों को बड़ी राहत मिली है। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने डीमैट खाताधारकों और म्यूचुअल फंड निवेशकों को एक काम करने के लिए सात महीने का और समय दे दिया। सेबी ने डीमैट खाताधारकों और म्यूचुअल फंड निवेशकों के लिए नॉमिनी' का नाम देने या इस विकल्प से हटने के लिए समयसीमा सितंबर अंत तक बढ़ा दी है। पहले यह समय सीमा 31 मार्च, 2023 थी। आप यदि नॉमिनी का अर्थ नहीं समझ रहे हैं, तब इस जान लीजिए। नॉमिनी या नामित व्यक्ति से आशय, उस व्यक्ति से है, जिन्हें उस खाते में जमा रकम या निवेश की राशि मिलेगी। जिस व्यक्ति के नाम बैंक खाते, निवेश या बीमा में होता है, उसका अचानक निधन हो जाए, तब नॉमिनी को वह राशि दे दी जाती है। सेबी चाहता है कि सभी डीमैट अकाउंट होल्डर और म्यूचुअल फंड इनवेस्टर अपना नॉमिनी घोषित कर दें। ताकि उनके नहीं रहने पर उनकी निवेशित राशि किसे दी जाए, इसका फैसला हो सके। सेबी ने सरकुलर में कहा, कारोबार के साथ-साथ डीमैट खातों के मूल्यांकन....और विभिन्न पक्षों से प्राप्त प्रतिवेदनों के आधार पर यह निर्णय किया गया है कि नॉमिनी प्रावधान अब 31 मार्च, 2023 के बजाय 30 सितंबर, 2023 से लागू होगा।'' एक अलग परिपत्र में नियामक ने मौजूदा म्यूचुअल फंड निवेशकों को लाभार्थी के रूप में 'नॉमिनी' का नाम देने या इस विकल्प से हटने

के लिये 30 सितंबर तक का समय दिया है। सेबी ने जून, 2022 में म्यूचुअल फंड निवेशकों के लिये 'नॉमिनी' का ब्यौरा देना या इससे हटने के बारे में घोषणा एक एक अगस्त, 2022 तक करने को कहा था। बाद में समयसीमा एक अक्टूबर, 2022 तक बढ़ा दी गई। सभी मौजूदा म्यूचुअल फंड फोलियो के लिये नई समयसीमा 31 मार्च, 2023 तक की गई थी।

एक्सप्रेसवे पर 1 अप्रैल से होगी टोल में 18 प्रतिशत की वृद्धि

-एमएसआरडीसी के वरिष्ठ अधिकारी ने दी जानकारी

मुंबई । मुंबई-पुणे एक्सप्रेसवे पर 1 अप्रैल से टोल में 18 प्रतिशत की वृद्धि होगी। एमएसआरडीसी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि टोल में सालाना 6 प्रतिशत की वृद्धि होती है, जो हर तीन साल बाद कुल 18 प्रतिशत हो जाता है, जैसा कि 9 अगस्त 2004 की एक सरकारी अधिसूचना में बताया गया है। एक अन्य अधिकारी ने बताया कि इस वृद्धि से कार तथा जीप जैसे चौपहिया वाहनों के लिए टोल 270 रुपए के बढ़कर 320 रुपए और मिनी बस तथा टेम्पो जैसे वाहनों के लिए 420 रुपए से बढ़कर 495 रुपए हो जाएगा। बड़ी श्रेणी के टू-एक्सल ट्रक के लिए टोल 585 रुपए से बढ़कर 685 रुपए, जबकि बसों के लिए यह 797 रुपए से बढ़कर 940 रुपए हो जाएगा।वहीं, थ्री-एक्सल ट्रक के 1,380 रुपए से बढ़कर 1,630 रुपए, मल्टी-एक्सल ट्रक तथा मशीनरी-वाहनों के लिए टोल 1,835 रुपए के बढ़कर 2,165 रुपए हो जाएगा। करीब 95 किलोमीटर लंबा व छह लेन वाला मुंबई-पुणे एक्सप्रेसवे 2002 में पूरी तरह से वाहनों के लिए खोल दिया गया था। रोजाना करीब 1.5 लाख लोग एक्सप्रेसवे का इस्तेमाल करते हैं।अधिकारियों ने बताया कि टोल 2030 तक समान रहेगा क्योंकि तीन साल बाद 2026 में इसमें कोई बदलाव नहीं किया जाएगा।

सहारा निवेशकों के लिए खुशखबरी, फंसा पैसा अब जल्द मिलने की उम्मीद

सुप्रीम कोर्ट ने 5000 करोड़ रुपये जारी करने का आदेश दिया

नई दिल्ली ।

सहारा निवेशकों के लिए बुधवार को सुप्रीम कोर्ट से बड़ी राहत की खबर आई। सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद उनका फंसा पैसा अब जल्द मिल सकेगा। दरअसल सुप्रीम कोर्ट ने सेबी-सहारा विवाद के 24000 करोड़ के फंड पर केंद्र की याचिका को मंजूरी दे दी। केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की थी कि सहारा-सेबी के 24 हजार करोड़ रुपये के फंड में से 5000 करोड़ रुपये का फंड आवंटित किया जाए,ताकि सहारा के निराश निवेशकों को उनका फंड वापस कर सके। सहारा की स्कीम में पैसा डालने वाले लाखों लोगों को अब तक अपना पैसा नहीं मिल सका है। इसके बाद निवेशकों के लिए बुधवार को अच्छी खबर आई है। सुप्रीम कोर्ट की मंजूरी मिलने के बाद इन निवेशकों की उम्मीद जग गई है। उम्मीद है कि सहारा के निवेशकों को जल्द ही उनका पैसा वापस मिलेगा। सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र की उस याचिका को मंजूरी दे दी है, जिसमें केंद्र ने सहारा-सेबी फंड के 24000 करोड़ रुपये में से 5000 करोड़ का आवंटन तुरंत करने की अपील की है। बता दें कि निवेशकों से धोखाधड़ी के एक दूसरे मामले में साल 2012 में बने सहारा-सेबी फंड में लगभग 24 हजार करोड़ रुपए जमा हैं। सहारा सेबी विवाद के कारण खाते में जमा 24 हजार करोड़ रुपये का फंड फंसा हुआ है। दूसरी ओर लाखों निवेशक परेशान है। निवेशकों की परेशानी को देखकर केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल की थी, जिसमें 5 हजार रुपये तुरंत जारी करने की अपील की थी।

सुप्रीम कोर्ट ने इस याचिका को मंजूरी देकर 5 हजार करोड़ रुपये अलॉट करने का आदेश दिया है। इस फैसले से सहारा के 1.1 करोड़ निवेशकों को राहत मिलेगी। मंगलवार को सेबी ने सहारा समूह की रियल एस्टेट कंपनी से 6.57 करोड़ रुपए की वसूली कर ली। कंपनी के मुखिया सुब्रत रॉय सहारा पर सख्ती दिखाकर सेबी ने ये रकम वसूली है।

गौरतलब है कि सहारा का ये विवाद साल 2009 का है। सहारा की दो कंपनियां सहारा हाउसिंग कॉर्पोरेशन लिमिटेड और सहारा इंडिया रियल एस्टेट कॉर्पोरेशन से जुड़े विवाद की शुरुआत उस वक्त हुई जब कंपनी ने अपना आईपीओ लाने की पेशकश की। आईपीओ के आते ही सहारा की पोल खुलने लगी। सहारा ने गलत तरीके से निवेशकों से 24000 करोड़ की रकम जुटाई थी, जो सेबी के सामने आ गई। सेबी ने सहारा में कई अनियमितता पाई, जिसकी जांच जब हुई, तब बड़ा स्कैम सामने आया। सेबी ने सहारा को निवेशकों को उनका पैसा ब्याज सहित लौटाने का आदेश दिया।

टेक्नो स्पार्क 10 5जी भारत में लॉन्च

-50एमपी का है कैमरा, सस्ता है 5जी फोन

नई दिल्ली ।

भारत में टेक्नो स्पार्क 10 5जी को लॉन्च किया गया। इस फोन में 50 एमपी प्राइमरी कैमरा और 5,000 एमएएच की बड़ी बैटरी जैसे फीचर्स दिए गए हैं। ये कंपनी का देश में नया बजट स्मार्टफोन है। टेक्नो स्पार्क10 5जी के 4जीबी + 64जीबी वेरिएंट की कीमत 12,999 रुपये रखी गई है। ग्राहक इसे 7 अप्रैल से सभी पार्टनर रिटेल स्टोर्स से खरीद पाएंगे। इसे मेटा ब्लैक, मेटा ब्लू और मेटा वाइट कलर ऑप्शन में पेश किया गया है। टेक्नो स्पार्क 10 5जी के स्पेसिफिकेशन्स की बात करें तो इसमें 90एचझेड रिफ्रेश रेट और 120एचझेड टच सैंपलिंग रेट के साथ 6.6-इंच एचडी+ (720 एक्स 1612 पिक्सल) डिस्प्ले दिया गया है। इस नए फोन में 950एमएचझेड एआरएम माली-जी57 जीपीयू के साथ ऑक्टा-कोर 7एनएम मीडियाटेक डायमेंसिटी 6020 प्रोसेसर मौजूद है। इसका प्राइमरी कैमरा 50 एमपी का है। साथ ही इसमें एक एआई सेंसर भी मौजूद है। सेल्फी के लिए फोन के फ्रंट में 8एमपी कैमरा मौजूद है। टेक्नो स्पार्क 10 5जी की बैटरी 5,000एमएएच की है और यहां 18डब्ल्यू फास्ट चार्ज सपोर्ट दिया गया है। इस फोन को 0 से 50 प्रतिशत तक महज 50 मिनट में चार्ज किया जा सकता है। फिंगरप्रिंट सेंसर यहां साइड माउंटेड है। वर्चुअल रैम सपोर्ट होने की वजह से इसकी रैम को 8जीबी तक बढ़ाया जा सकता है। साथ ही स्टोरेज को कार्ड की मदद से 1टीबी तक बढ़ाया जा सकता है। फोटोग्राफी के लिए फोन के रियर में डुअल कैमरा सेटअप दिया गया है।

एप्पल ने आईफोन के लिए जारी किया आईओएस 16.4 अपडेट

-कंपनी ने कर दिया बड़ा बदलाव

नई दिल्ली ।

बहुराष्ट्रीय कंपनी एप्पल ने आईफोन के लिए आईओएस 16.4 अपडेट जारी किया है। इस अपडेट में कई बदलाव भी किए गए हैं। ये अपडेट आईफोन 14, आई फोन 14 प्लस, आईफोन 14 प्रो और 14 प्रो मैक्स में क्रैश डिटेक्शन को और ज्यादा ऑप्टिमाइज करता है। इसी के साथ इस अपडेट के बाद यूजर एक्सपीरिएंस काफी एन्हांस होगा।इससे पहले यदि आप आईओएस 16.3.1 यूज कर रहे थे, तो आप इसे आसानी से अपडेट कर सकते हैं। आईओएस 16.4 अपडेट का साइज लगभग 1.8जीबी का है।

लेकिन आप यदि आईओएस 16 के पुराने वर्जन पर थे, तो ये अपडेट 5जीबी जितना बड़ा हो सकता है। इस नए अपडेट को डाउनलोड करने के लिए यूजर वाई फाई नेटवर्क का इस्तेमाल कर सकते हैं। इसी के साथ यदि आपके पास वाईफाई नेटवर्क की सुविधा नहीं है तो इसे 5 जी नेटवर्क पर भी आसानी से डाउनलोड और इंस्टॉल कर सकते हैं।एप्पल ने ये अपडेट आईओएस 16 को स्टेबल करने के लिए जारी किया है। इस अपडेट में आपको 21 नए इमोजी मिलेंगी। इनको कीबोर्ड के जरिए आसानी से एक्सेस किया जा सकता है। वहीं आई फोन अब आई क्लाउड पर शेयर फोटो लाइब्रेरी पर डुप्लिकेट फोटो और वीडियो का भी पता लगा सकता है। इसके अतिरिक्त मैप्स के लिए अब वॉइस ओवर सपोर्ट भी मिलेगा। वहीं एप्पल यूजर्स अब वीडियो के दौरान फ्लैश या लाइट के चलने पर उसे डिम कर सकेंगे। इसी के साथ नए अपडेट के बाद आप होम स्क्रीन पर आसानी से वेब एप नोटिफिकेशन को जोड़ सकेंगे। इस अपडेट से वॉइस आइसोलेशन को शुरू कर आप कॉल की क्वालिटी को भी काफी सही कर सकेंगे।

केंद्र का लॉजिस्टिक लागत को 9 प्रतिशत करने का लक्ष्य

-सस्ता हो जाएगा अब देश में माल भाड़ा

नई दिल्ली ।

केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने कहा, सरकार ने देश में लॉजिस्टिक लागत को साल 2024 तक 9 प्रतिशत लाने का लक्ष्य रखा है। उन्होंने कहा कि 'देश के उद्योग और कारोबार के समक्ष लॉजिस्टिक की ऊंची लागत बड़ी चुनौती है। अभी यह 16 प्रतिशत है। हमने इसे 2024 के अंत तक नौ प्रतिशत पर लाने का लक्ष्य रखा है।' नितिन गडकरी ने कहा है कि नई नीति लाने का मकसद है कि जीडीपी के मौजूदा 16 प्रतिशत से घटाकर 8 प्रतिशत के नीचे तक लाना और रोजगार पैदा करना। माल भाड़ा कम होगा तो उसका सीधा असर सभी वस्तुओं की कीमतों पर भी पड़ेगा और कीमतें कम होंगी। मोदी सरकार देश में लॉजिस्टिक लागत को कम कर चीन, अमेरिका और यूरोपियों देशों की बराबरी करने के लिए यह नई नीति लाई गई है। इसके लिए मोदी सरकार जलमार्ग, रेलवे, सड़क के बाद अब हवाई मार्ग को भी लोकप्रिय साधन बनाने के दिशा में काम कर रही है। मोदी सरकार अगले पांच सालों में देश के कई शहरों में हवाई सेवा और एयरपोर्ट विकसित कर रही है। माल ढुलाई के लिए अब एयर कार्गो की लागत को भी कम करने की कवायद चल रही है। देश में अभी लॉजिस्टिक लागत सकल घरेलू उत्पाद यानी जीडीपी के 16 फीसदी है। चीन में यह 10 फीसदी और अमेरिका और यूरोप में 8 फीसदी है। आने वाले दिनों में पीएम मोदी के इस ड्रीम प्रोजेक्ट में राष्ट्रीय राजमार्ग मंत्रालय के साथ-साथ नागरिक उड्यन मंत्रालय और शहरी विकास मंत्रालय की भूमिका अहम होने वाली है।गौरतलब है कि सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय पिछले कई सालों से इस पर काम कर थी। सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने कई मौकों पर कहते रहे हैं कि सरकार माल परिवहन के सभी माध्यमों के लिए एकल लॉजिस्टिक कानून काफी कारगर साबित होगा।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

रिबाकिना मियामी ओपन के सेमीफाइनल में पहुंची

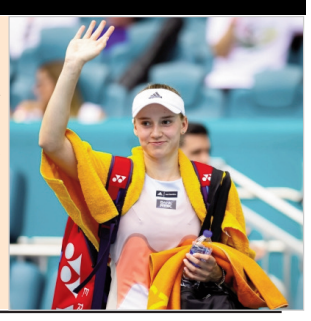

मियामी (अमेरिका)। कजाकिस्तान की एलेना रिबाकिना मियामी ओपन टेनिस टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में पहुंच गयी हैं। रिबाकिना ने क्वार्टर फाइनल में इटली की मार्टिना ट्रेविसन को 6-3, 6-0 से हराया। इस जीत के साथ ही रिबाकिना ने अपना 12 वां मुकाबला जीता। इस खिलाड़ी ने इससे पहले इंडियन वेल्स में अपना पहला डब्ल्यूटीए 1000 खिताब जीता था। रिबाकिना ने जीत के बाद कहा, निश्चित रूप से मुझ पर जीत के लिए कोई दबाव नहीं है। मुझे पता है कि यह बहुत कठिन क्योंकि और कई खिलाड़ियों ने ऐसा नहीं किया है। साथ ही मैं दूसरे मैच में अंक से नीचे थी। मुझे बस मैच दर मैच ध्यान रखने की जरूरत है। रिबाकिना का इस जीत के बाद सत्र में 20-4 का रिकॉर्ड हो गया है और उन्होंने एक सत्र में सबसे अधिक मैच जीतने के मामले में सबालेंका के रिकार्ड की बराबरी कर ली है। रिबाकिना अब सेमीफाइनल में सामना गरुवार को जेसिका पेगुला या अनस्तासिया पोटापोवा से होने वाले मैच की विजेता से होगा।

आईपीएल के पहले मुकाबले में आमने-सामने होंगी सुपर किंग्स और टाइटंस

अहमदाबाद ।

आईपीएल का पहला मुकाबला 31 मार्च को कप्तान हार्दिक पंड्या की गुजरात टाइटंस और महेन्द्र सिंह धोनी की चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के बीच होगा। यह मुकाबला सबसे बड़े नरेंद्र मोदी क्रिकेट स्टेडियम में शाम 7.30 बजे से खेला जाएगा। इस मुकाबले से पहले एक उद्घाटन समारोह भी होगा। इस मैच से धोनी एक बार फिर मैदान पर नजर आयेंगे। सीएसके की टीम धोनी की कप्तानी में पांचवी बार खिताब जीतने के इरादे से उतरेगी। वहीं हार्दिक की गुजरात टाइटंस अपने खिताब को बरकरार रखने उतरेगी। गुजरात टाइटंस के कोच आशीष नेहरा जबकि चेन्नई सुपर के स्टीफेन फ्लेमिंग हैं। आईपीएल 2022 में गुजरात की ओर से सबसे ज्यादा रन हार्दिक पंड्या ने 487 रन बनाये थे जबकि सबसे ज्यादा विकेट मोहम्मद शमी ने 20 विकेट लिए थे। वहीं चेन्नई सुपर किंग्स की ओर से सबसे ज्यादा रन रुतुराज गायकवाड़ ने 368 रन और सबसे ज्यादा विकेटः ड्वेन ब्रावो ने 16 विकेट लिए थे। आईपीएल में इस बार गुजरात के सबसे महंगे खिलाड़ी हैं तेज गेंदबाज शिवम मावी उन्हें 6 करोड़ रुपये में खरीदा गया है जबकि चेन्नई सुपर किंग्स ने बेन स्टोक्स 16.25 करोड़ में खरीदा है।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं :

गुजरात टाइटंसः हार्दिक पंड्या (कप्तान), राशिद खान, राहुल तेवतिया, शुभमन गिल, मोहम्मद शमी, शिवम मावी, जोशुआ लिटिल, यश दयाल, डेविड मिलर, आर साई किशोर, अभिनव सदरंगानी, अल्जारी जोसेफ, मैथ्यू वेड, केन विलियमसन, रिद्धिमान साहा, जयंत यादव, विजय शंकर, केएस भरत, ओडियन स्मिथ, मोहित शर्मा, नूर अहमद, उर्विल पटेल प्रदीप सांगवान, दर्शन नालकंडे, साईं सुदर्शन।

चेन्नई सुपर किंग्सः एमएस धोनी (कप्तान), डेवॉन कॉनवे, ऋतुराज गायकवाड़, अंबाती रायडू, सुभ्रांशु सेनापति, मोईन अली, शिवम दुबे, राजवर्धन हैंगरगेकर, ड्वेन प्रिटोरियस, मिचेल सेंटनर, रवींद्र जडेजा, तुषार देशपांडे, मुकेश चौधरी, मतीशा पथिराना, सिमरजीत सिंह, दीपक चाहर , प्रशांत सोलंकी, महेश ठीकशाना, अजिंक्य रहाणे, बेन स्टोक्स, शेख रशीद, निशांत सिंधु, सिसंडा मगाला, अजय मंडल, भगत वर्मा।

(सेंटियागो डेल एस्टेरो) मैसी ने हैट्रिक से किया 100वां अंतर्राष्ट्रीय गोल

अर्जेंटीना ने कुराकाओ को हराया

सेंटियागो डेल एस्टेरो ।

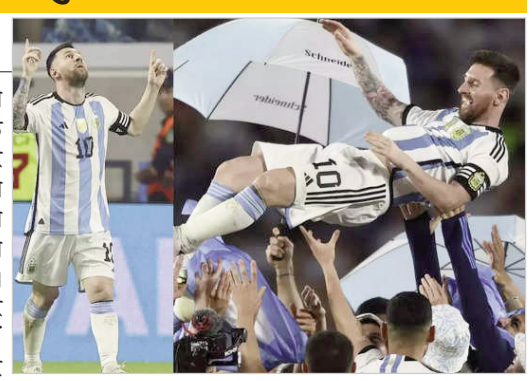

अर्जेंटीना के कप्तान लियोनल मैसी ने अपना 100 वां अंतरराष्ट्रीय गोल दागने के साथ ही एक और उपलब्धि अपने नाम कर ली है। मैसी ने अपना 100 वें अंतरराष्ट्रीय गोल कुराकाओ के खिलाफ एक दोस्ताना मुकाबले में किया। इस मैच में अर्जेंटीना ने 7-0 से कुराकाओ पर जीत हासिल की। मैसी ने पहले हाफ में हैट्रिक लगायी और इसी के साथ ही पहले 35 मिनट में अर्जेंटीना ने 5-0 की बढ़त हासिल कर ली। अर्जेंटीना ने दूसरे हाफ में दो और गोल दाग दिये। एक रिपोर्ट के अनुसार मैसी के 174 मैचों में 102 गोल हो गये हैं। अर्जेंटीना ने इस मैच में अच्छी शुरूआत की और मैसी ने पहला गोल कर अपनी टीम को बढ़त दिला दी। वहीं निको गोंजालेज ने हैडर से एक गोल दागकर बढ़त को 2-0 पहुंचा दिया। मैसी ने इसके बाद एक और गोल दाग दिया। यह मैदानी गोल मैसी ने तेजी से दौड़कर किया। हाफ टाइम के बाद । एंजेल डी मारिया ने 78वें मिनट में पेनल्टी पर छठा गोल दागा जबकि पाउलो डीबाला ने खेल समय होने से कुछ मिनट पहले ही गोल कर स्कोर 7-0 कर दिया।

आईपीएल के उद्घाटन समारोह में कार्यक्रम पेश करेंगे बॉलीवुड सितारे

मुम्बई । 31 मार्च से शुरु हो रहे आईपीएल के 16 वें सत्र का भव्य उद्घाटन होगा। इस समारोह में बॉलीवुड अभिनेत्री कैटरीना कैफ के अलावा रश्मिका मंदाना और तमन्नाह भाटिया भी कार्यक्रम पेश करेंगी। पांच साल के बाद आईपीएल में इस बार रंगारंग कार्यक्रम होने जा रहा है जिसके कारण लोगों में भारी उत्साह है। पिछले कुछ साल कोरोना महामारी को देखते हुए उद्घाटन समारोह नहीं हुए थे। अब इस नये सत्र में कोरोना का खतरा समाप्त होने के बाद आईपीएल पुराने प्रारुप में ही खेला जाएगा। इसकी शुरुआत अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में मौजूदा चैंपियन गुजरात टाइटंस और चेन्नई सुपर किंग्स के बीच मुकाबले से होगी। गुजरात और चेन्नई के बीच मुकाबले की शुरुआत शाम साढ़े 7 बडे से होगी। इस मुकाबले से पहले उद्घाटन समारोह रखा गया है। यह करीब 45 मिनट चलेगा। एक रिपोर्ट के अनुसार कैटरीना, मंदाना और तमन्नाह के अलावा टाइगर श्रॉफ और अरिजीत सिंह भी कार्यक्रम पेश कर सकते है। दर्शक इस समारोह को टीवी पर लाइव देख सकते हैं। गौरतलब है कि साल 2018 सत्र के बाद से ही आईपीएल में उदघाटन समारोह का आयोजन नहीं हुआ है। साल 2018 में परिणीति चोपड़ा, वरुण धवन, जैकलीन फर्नांडीज और ऋतिक रोशन जैसे भारतीय सितारों ने कार्यक्रम पेश किया था। वहीं साल 2019 में पुलवामा में हुए आतंकी हमले के कारण उदघाटन समारोह को रद्द कर दिया गया था।

वेस्टइंडीज ने दक्षिण अफ्रीका को सात रनों से हराकर सीरीज जीती

वांडरर्स ।

रोमारियो शेफर्ड और अल्जारी जोसेफ के अच्छे प्रदर्शन से वेस्टइंडीज ने यहां खेले गये तीसरे टी20 क्रिकेट मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका को सात रनों से हरा दिया। इसी के साथ ही तीन मैचों की टी20 सीरीज वेस्टइंडीज ने 2-1 से जीत ली है। शेफर्ड 44 रन और अल्जारी ने पांच विकेट लेकर अपनी टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई।

इस मैच में टॉस जीतकर मेजबान दक्षिण अफ्रीका ने वेस्टइंडीज को बल्लेबाजी के लिए बुलाया। वेस्टइंडीज ने 20 ओवर में आठ विकेट पर 220 रन बनाए और दक्षिण अफ्रीका को जीत के लिए 221 रनों का लक्ष्य दिया। 221 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी दक्षिण अफ्रीका की टीम छह विकेट के नुकसान पर 213 रन ही बना पायी।

वेस्टइंडीज की शुरुआत अच्छी नहीं रही। टीम का पहला विकेट 39 रन पर गिरा। विकेटकीपर बल्लेबाज जे चार्ल्स बिना खाता खोले वापस लौट गए। पूरन शेफर्ड ने 41 रन की पारी खेले टीम को उबारा। इसके रोमारियो शेफर्ड ने 22 गेंद में नाबाद 44 रन बनाकर वेस्टइंडीज को 161 रन से 8 विकेट पर 220 रन तक पहुंचा दिया। शेफर्ड ने जोसफ के साथ 9वें विकेट के लिए 26 गेंद पर नाबाद 59 रन बनाये।

वहीं इसके बाद लक्ष्य का पीछा करने उतरी मेजबान अफ्रीकी टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही। 31 के स्कोर पर क्विंटन डी कॉक 21 रन बनाकर पेवेलियन लौट गये। इसके बाद रीजा हेंड्रिक्स ने 83 रन, और राइली रूसो ने 42 रन रन बनाकर पारी को संभाला पर इनके आउट होने के बाद टीम ढ़ह गयी। अल्जारी ने हेंड्रिक्स को आउट कर यह साझेदारी तोड़ी। इसके बाद डेविड मिलर 11 के आउट होने से मेजबान टीम की उम्मीदों पर पानी फिर गया। हेनरी क्लासेन भी 6 रन बनाकर पेवेलियन लौट गये। कप्तान एडम मार्कम अंत तक नाबाद रहे, लेकिन वह टीम को जीत नहीं दिला सके।

संक्षिप्त समाचार

आईपीएल से ठीक पहले धोनी की फिटनेस पर उठे सवाल, लंगड़ाते दिखे

चेन्नई ।

आईपीएल की शुरुआत शुक्रवार से होने वाली है। इससे ठीक पहले चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी के चोटिल होने की आशंका है। धोनी को चेपक स्टेडियम में अभ्यास सत्र के दौरान लंगड़ाते हुए देखा गया। वहीं एक रिपोर्ट के अनुसार धोनी के बाएं पैर में चोट हो सकती है। टीम को शुक्रवार को पहले ही मुकाबले में गुजरात टाइटंस से खेलना है। ऐसे में धोनी का चोटिल होना टीम के लिए एक बड़ा झटका रहेगा। माना जा रहा है कि धोनी अभ्यास सत्र के लिए अधिक उत्साहित नहीं थे। चलते समय वह बाएं पैर पर ध्यान देने के साथ ही संभालकर चल रहे थे जिससे यह लग रहा है कि इसमें चोट है। उन्होंने पैर पर नीकैप भी लगायी थी। जब वह चल रहे थे तो पता चल रहा था कि वह थोड़ा लंगड़ा रहे हैं। हालांकि इसके बाद भी उन्होंने नेट अभ्यास में भाग लिया। टीम के अभ्यास सत्र को देखने भारी तादाद में लोग भी स्टेडियम पहुंचे थे। इस दौरान धोनी संभलकर दौड़ते नजर आए और कुछ असहज भी दिखे। अगर वह वास्तव में चोटिल हैं तो यह सीएसके के लिए बड़ा झटका होगा। धोनी टीम के सबसे अहम खिलाड़ी हैं। उनका मैदान पर होना ही टीम के लिए काफी होता है। अगर धोनी पहले मैच में नहीं खेल पाते हैं तो इंग्लैंड के बेन स्टोक्स या रुतुराज गायकवाड़ में से किसी को कप्तान की जिम्मेदारी मिल सकती है।

धोनी अभी इतने फिट कि दो तीन सत्र खेल लें : रोहित

मुम्बई ।

भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा के अनुसार चेन्नई सुपर किंग्स की कप्तानी कर रहे महेन्द्र सिंह धोनी अभी काफी फिट हैं और अगले दो से तीन सत्र खेल सकते हैं। हाल ही में सुरेश रैना ने भी कहा था कि धोनी अभी अगला सत्र भी खेलेंगे। वहीं माना जा रहा है कि 41की उम्र के धोनी का यह आईपीएल का अंतिम सत्र रहेगा और वह आईपीएल 2023 खेलकर रिटायर हो जाएंगे। अब मुंबई इंडियंस के कप्तान रोहित के बयान से धोनी के प्रशंसकों को जरुर खुशी होगी। आईपीएल-16 का सत्र शुरू होने से ठीक पहले रोहित शर्मा ने कहा, धोनी अभी इतना फिट हैं कि वह 2-3 सीजन खेल सकते हैं। मुझे नहीं लगता कि यह उनका अंतिम सत्र होगा। धोनी की जो तस्वीरें सामने आ रही हैं उससे भी कुछ ऐसा ही लगता है। प्रशंसकों के बीच माही के नाम से लोकप्रिय धोनी के बाइसेप्स बड़े दिख रहे थे और वह अपने अंदाज में पावर शॉट खेल रहे थे। इंग्लैंड के पूर्व कप्तान केविन पीटरसन तक ने धोनी की तारीफ की है। दूसरी ओर धोनी हमेशा की तरह चुप्पी साधे बैठे हैं। वह जानते हैं कि उन्हें कब संन्यास लेना है या कब तक खेलना है। 2020 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कहने वाले धोनी तीन साल बाद भी फिट हैं और मैदान के बीच उनकी दौड़ में कोई कमी नहीं दिख रही है।

आईपीएल में सबसे ज्यादा बार शून्य पर आउट होने वालों में रोहित भी शामिल

मुम्बई ।

आईपीएल टीम मुम्बई इंडियंस के कप्तान रोहित शर्मा इस लीग के सबसे सफल कप्तान हैं और उनकी टीम ने पांच बार खिबाब जीता है। इसके अलावा उन्होंने इस लीग में काफी रन भी बनाये हैं। इसके बाद भी रोहित के नाम नाम एक ऐसा रिकॉर्ड है जिसे वह याद नहीं रखना चाहेंगे। रोहित और मनदीप सिंह आईपीएल में सबसे ज्यादा बार पहली ही गेंद पर शून्य पर आउट (गोल्डन डक) हुए हैं। इस सूची में हरभजन सिंह और पार्थिव पटेल, पीयूष चावला जैसे खिलाड़ी भी हैं।

रोहित शर्मा

इस सूची में मुंबई इंडियंस के कप्तान रोहित शर्मा शामिल हैं। रोहित 2008 से 2022 तक मनदीप सिंह के साथ सयुंक्त रूप से 14 बार शून्य पर आउट हुए हैं। रोहित ने आईपीएल में डेक्कन चार्जर्स के लिए भी खेला है। अभी वह मुंबई इंडियंस के कप्तान हैं। अपनी कप्तानी में रोहित शर्मा ने टीम को 5 बार आईपीएल चैंपियन बनाया है। रोहित ने अभी तक 227 आईपीएल में मैच खेले हैं।

मनदीप सिंह

आईपीएल में सबसे ज्यादा बार 14 बार शून्य पर आउट होने वाले खिलाड़ी मनदीप सिंह भी हैं। मनदीप ने आईपीएल में कुल 108 मैच खेले हैं। वह आईपीएल में 2010 से 2022 तक शून्य पर आउट हुए। मनदीप ने दिल्ली कैपिटल्स, पंजाब किंग्स, कोलकाता नाइट राइडर्स और रॉयल चैलेंजर बैंगलोर के लिए खेला है। 2022 में वह दिल्ली कैपिटल्स टीम का हिस्सा थे।

हरभजन सिंह

हरभजन सिंह ने आईपीएल में 2008 से 2021 तक चेन्नई सुपर किंग्स, कोलकाता नाइट राइडर्स और मुंबई इंडियंस के लिए खेले। वह 13 बार आईपीएल में शून्य पर आउट हुए हैं। उन्होंने 163 आईपीएल मैच खेले हैं। वह मुंबई और चेन्नई की टीम का हिस्सा भी रह चुके हैं।

पीयूष चावला

वहीं पीयूष चावला का नाम भी इस सूची में आता है। चावला ने 2008 से 2021 तक आईपीएल में 165 मैच खेले हैं। इस दौरान वह 13 बार शून्य पर आउट हुए हैं। पीयूष चावला चेन्नई सुपर किंग्स, किंग्स इलेवन पंजाब, कोलकाता नाइट राइडर्स और मुंबई इंडियंस के लिए खेल चुके हैं।

पार्थिव पटेल

शून्य पर आउट होने वाली सूची में पार्थिव पटेल भी शामिल हैं। वह आईपीएल में 13 बार शून्य पर आउट आउट हुए हैं।पार्थिव पटेल ने 2008 से 2019 तक आईपीएल खेला। इस दौरान वह चेन्नई सुपर किंग्स, डेक्कन चार्जर्स, कोच्चि टस्कर्स केरल, मुंबई इंडियंस, रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर और सनराइजर्स हैदराबाद के लिए खेले।

पृथ्वी पर रहेंगी चयनकर्ताओं की नजरें : गांगुली

नई दिल्ली ।

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली के अनुसार आक्रामक बल्लेबाज पृथ्वी शॉ के आईपीएल में प्रदर्शन पर कप्तान रोहित शर्मा और चयनकर्ताओं की नजरें रहेंगी। पृथ्वी आईपीएल के इस 16 वें सत्र में दिल्ली कैपिटल्स की ओर से खेलेंगे। गांगुली के अनुसार पृथ्वी में काफी क्षमताएं हैं। इसके साथ ही साल 2023 के अंत में होने वाले एकदिवसीय विश्वकप को देखते हुए भी उनपर विशेष ध्यान रहेगा। वहीं इससे पहले कहा जा रहा था कि सरफराज खान, शिखर धवन पर नजरें रहेंगी। गांगुली के अनुसार पृथ्वी ऐसे खिलाड़ी होंगे, जो टीम इंडिया के लिए आने वाले मैचों में खेलने के लिए तैयार हैं। गांगुली ने कहा, मुझे लगता है कि पृथ्वी भारतीय टीम की ओर से खेलने के लिए खेलने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं। मुझे नहीं पता कि उन्हें चयनकर्ता क्या करते हैं पर उनपर सभी की नजरें जरुर रहेंगी। पृथ्वी ने भारतीय टीम की ओर से अंतिम बार साल 2021 में खेला था। यह मैच उन्होंने श्रीलंका के खिलाफ खेला था। इस मैच में उन्होंने 49 रन बनाए थे। इसके बाद से उन्हें एकदिवसीय टीम में कभी अवसर नहीं मिला। टी20 की बात करें तो उन्हें हाल में ही न्यूजीलैंड के खिलाफ टी20 सीरीज में शामिल किया गया था पर उन्हें एक भी मैच में अवसर नहीं मिला।

अपने तरीके से कप्तानी करेंगे : राणा

नई दिल्ली । श्रेयस अय्यर के चोटिल होने के बाद कोलकाता नाइटराइडर्स (केकेआर) के कप्तान बने नितीश राणा ने कहा है कि वह अपनी ही तरीके से कप्तानी करेंगे और वह धोनी, रोहित या विराट की कप्तानी को फॉलो नहीं करना चाहते। राणा को आईपीएल में कप्तानी करने का कोई अनुभव नहीं है। उन्होंने आज तक किसी भी आईपीएल टीम के लिए कप्तानी नहीं की है। इससे पहले जब केकेआर के नए कप्तान राणा से पूछा गया कि घरेलू क्रिकेट में आपने कप्तानी की है पर अगर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में देखें तो धोनी, रोहित और विराट में से किसे अपना आदर्श मानते हैं तो राणा ने कहा, मैं इनमें से किसी को भी फॉलो नहीं करता हूं और ना ही करना चाहता हूं। मैं अपने तरीके से खेल में आगे जाना चाहता हूं। मुझे पता है कि अगर किसी को फॉलो करना शुरू किया तो मैं पीछे हो जाउंगा। मैं इस लिए अपने तरीके से ही कप्तानी करूंगा।

डि कॉक और मार्क वुड जैसे खिलाड़ी बदल सकते हैं सुपर जायंट्स की किस्मत

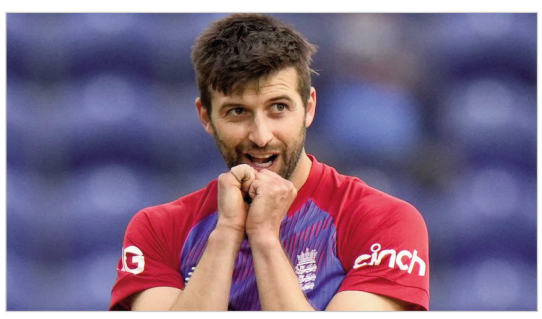

मुम्बई ।

लखनऊ सुपर जायंट्स के कप्तान लोकेश राहुल के खराब फर्म के कारण इस बार सुपर जायंट्स को प्रबल खिताबी दावेदार नहीं माना जा रहा है। इसके बाद भी टीम को कम नहीं आंका जा सकता क्योंकि उसके पास क्विंटन डि कॉक और मार्क वुड जैसे खिलाड़ी हैं। इसके साथ ही टीम के पास गौतम गंभीर जैसा जबरदस्त कोच है। गंभीर रणनीति बनाने में माहिर माने जाते हैं। राहुल की कप्तानी में लखनऊ सुपर जायंट्स गत सत्र में तीसरे स्थान पर रही थी। इस बार प्रशंसकों को लगता है कि दीपक हुड्डा, ऋणाल पंड्या, कृष्णप्पा गौतम, रोमारियो शेफर्ड और मार्कस स्टोइनिस जैसे ऑलराउंडरों के कारण टीम को जीत मिल सकती है। डि कॉक और राहुल के रूप में उनके पास एक अनुभवी सलामी जोड़ी है। क्विंटन डि कॉक हालांकि राष्ट्रीय टीम की ओर से खेलने के कारण कुछ मैचों से बाहर रह सकते हैं। पावर-पैक बैटिंग लाइनअप का मतलब है कि वे बड़े स्कोर का पीछा कर सकते हैं और साथ ही एक सेट भी कर सकते हैं।

टीम की स्पिन गेंदबाजी कमजोर नजर आती है। इसमें उसके पास रवि बिश्नोई के अलावा अमित मिश्रा हैं। बिश्नोई हाल में खास प्रदर्शन नहीं कर पाये हैं। बीच के ओवरों में राहुल और निकोलस पूरन की अहम भूमिका रहेगी। टीम के पास तेजी गेंदबाज के तौर पर मार्क वुड जैसा गेंदबाज है। वह 150 किमी प्रति घंटे से अधिक की घड़ी की गति के लिए जाना जाता है।

लखनऊ टीम इस प्रकार है : केएल राहुल (कप्तान), आवेश खान, आयुष बदोनी, क्विंटन डि कॉक (विकेटकीपर), कृष्णप्पा गौतम, दीपक हुड्डा, प्रेरक मांकड़, काइल मेयर्स, अमित मिश्रा, मोहसिन खान, नवीन-उल-हक, ऋणाल पंड्या, निकोलस पूरन (विकेटकीपर)), रवि बिश्नोई, डेनियल सैम्स, करण शर्मा, रोमारियो शेफर्ड, मार्कस स्टोइनिस, स्वप्निल सिंह, जयदेव उनादकत, मनन वोहरा, मार्क वुड, मयंक यादव, यश ठाकुर, युद्धवीर सिंह।

आईपीएल के कुछ मैचों से बाहर रह सके हैं रोहित, सूर्यकुमार को मिल सकती है कप्तानी

नई दिल्ली । 31 मार्च से शुरु हो रही आईपीएल के 16 वें संस्करण में आक्रामक बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव को भी मुंबई इंडियंस की कप्तानी का अवसर मिल सकता है। इसका कारण यह है कि मुम्बई के कप्तान रोहित शर्मा पर काम का बोझ कम करने के लिए उन्हें कुछ मैचों में आराम दिया जा सकता है। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने सभी टीमों से कहा है कि वे भारतीय खिलाड़ियों की फिटनेस का ध्यान रखते हुए उन्हें पर्याप्त आराम का भी अवसर दें क्योंकि विश्व टेस्ट चैंपियनशिप का फाइनल जून में है और वनडे विश्व कप अक्टूबर में है। ऐसे में बीसीसीआई अपनी खिलाड़ियों को लेकर कोई जोखिम नहीं लेना चाहता है। रोहित के बाहर रहने पर कप्तानी की जिम्मेदारी सूर्यकुमार को मिल सकती है। एक रिपोर्ट के अनुसार रोहित पहले भी चोटिल होते रहे हैं और अब वह अहम मैचों से बाहर नहीं रहना चाहते है। इसी को देखते हुए वह आईपीएल में कुछ मैच चुनेंगे और डग आउट से सूर्यकुमार का मार्गदर्शन करेंगे। रोहित ने पहले ही कह दिया था कि सभी खिलाड़ियों को अपने संबंधित आईपीएल फ्रेंचाइजी के लिए खेलते समय अपनी फिटनेस का ध्यान स्वयं रखना होगा जिससे वे राष्ट्रीय टीम की ओर से खेलने के समय पूरी तरह से फिट रहेंरोहित ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एकदिवसीय श्रृंखला में हार के बाद कहा था, यह सब अब फ्रेंचाइजी पर आधारित है। खिलाड़ी अब फ्रेंचाइजी के अंदर खेलेंगे। हमने टीमों को कुछ संकेत दिए हैं, लेकिन आखिरी फैसला फ्रेंचाइजियों पर निर्भर है। इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि यह खिलाड़ियों पर निर्भर है। वे सभी समझदार हैं; उन्हें अपने शरीर की देखभाल करनी है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

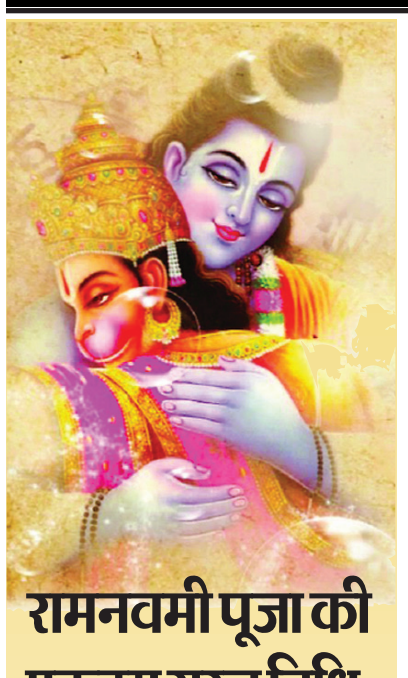

रामनवमी पूजा की एकदम सरल विधि

मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान राम के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में रामनवमी मनाई जाती है जो कि भगवान विष्णु के 7वें अवतार थे। प्रत्येक साल हिन्दू कैलेडर के अनुसार चैत्र मास की नवमी तिथि को श्रीराम नवमी के रूप मनाया जाता है। चैत्र मास की प्रतिपदा से लेकर नवमी तक नवरात्रि भी मनाई जाती है। इन दिनों कई लोग उपवास भी रखते हैं।

रामनवमी उत्सव

श्री रामनवमी हिन्दुओं के प्रमुख त्यौहारों में से एक है जो देश-दुनिया में सच्ची श्रद्धा के साथ मनाया जाता है। यह त्यौहार वैष्णव समुदाय में विशेषतौर पर मनाया जाता है।

- आज के दिन भक्तगण रामायण का पाठ करते हैं।
- रामरक्षा स्त्रोत भी पढ़ते हैं।
- कई जगह भजन-कीर्तन का भी आयोजन किया जाता है।
- भगवान राम की मूर्ति को फूल-माला से सजाते हैं और स्थापित करते हैं।
- भगवान राम की मूर्ति को पालने में झुलाते हैं।

राम नवमी की पूजा विधि

राम नवमी की पूजा विधि कुछ इस प्रकार है :

- सबसे पहले स्नान करके पवित्र होकर पूजा स्थल पर पूजन सामग्री के साथ बैठें।
- पूजा में तुलसी पत्ता और कमल का फूल अवश्य होना चाहिए।
- उसके बाद श्रीराम नवमी की पूजा षोडशोपचार करें।
- खीर और फल-मूल को प्रसाद के रूप में तैयार करें।
- पूजा के बाद घर की सबसे छोटी बालिका/महिला सभी लोगों के माथे पर तिलक लगाएं।

पौराणिक मान्यता

श्री रामनवमी की कहानी लंकाधिराज रावण से शुरू होती है। रावण अपने राज्यकाल में बहुत अत्याचार करता था। उसके अत्याचार से पूरी जनता त्रस्त थी, देवतागण भी, क्योंकि रावण ने ब्रह्मा जी से अमर होने का वरदान ले लिया था। उसके अत्याचार से तंग होकर देवतागण भगवान विष्णु के पास गए और प्रार्थना करने लगे। फलस्वरूप प्रतापी राजा दशरथ की पत्नी कौशल्या की कोख से भगवान विष्णु ने राम के रूप में रावण को परास्त करने हेतु जन्म लिया। तब से चैत्र की नवमी तिथि को रामनवमी के रूप में मनाने की परंपरा शुरू हुई। नवमी के दिन ही स्वामी तुलसीदास ने रामचरित मानस की रचना शुरू की थी।

भगवान श्रीराम के इन गुणों से हमें भी सीखना चाहिए

भगवान श्रीराम के जीवन से हमें बहुत कुछ सीखने को मिलता है। खासतौर पर उनके द्वारा अपनाई गई व्यावहारिक नीतियां, यहीं कारण था कि कठिन परिस्थितियों में भी वे सफल रहे। भगवान श्रीराम के स्वभाव के इन 11 गुणों से सीखना चाहिए .

- सभी से हंसते-मुस्कुराते मिलना।
- लोगों के नामों को याद रखना और उन्हें, उन्हीं नाम से संबोधित करना।
- दूसरों की बातों को ध्यान और धीरज से सुनना।
- लोगों के प्रति सच्ची निष्ठा रखना।
- दूसरे व्यक्तियों को सम्मान देना।
- किसी को अपने विचार मनवाने के लिए तर्क और विवाद का सहारा नहीं लेना।
- उच्च आदर्श व सिद्धांत का पालन करने में हर कठिनाई को सहन करने के लिए तैयार रहना।
- दूसरे के विचारों और भावनाओं के प्रति सच्ची सहानुभूति रखना।
- दूसरे की दृष्टि से घटनाओं या वस्तुओं को देखने का प्रयास करना।
- अपनी त्रुटि (गलती) को शीघ्र स्वीकार कर लेना।
- दूसरे व्यक्तियों के विचारों के प्रति आदर की भावना होना।

श्री राम के चरण कमल पर शीश
झुकाएं जीवन में हर खुशियां पाएं.
राम नवमी की हार्दिक शुभकामनाएं!

श्री राम नवमी 2023 के शुभ मुहूर्त

चैत्र माह के शुक्ल पक्ष की नवमी के दिन प्रभु श्रीराम का जन्म हुआ था। इसलिए इसे रामनवमी कहते हैं। पूरे देश में रामनवमी का पर्व बड़े ही धूम धाम से मनाया जाता है। इस दिन श्रीराम के बालरूप की पूजा होती है। आओ जानते हैं कि पूजा के क्या है शुभ मुहूर्त और कैसे किस मंत्र से करें श्रीराम की पूजा।

श्री राम नवमी के शुभ संयोग –

सर्वार्थसिद्धि योग– प्रात : 06 :25 से 10 :59 तक। इसके बाद रात्रि में अमृतसिद्धि योग, गुरू पुष्य योग और पुन : सर्वार्थसिद्धि योग रहेगा।

रामनवमी की पूजा के शुभ मुहूर्त–

–ब्रह्म मुहूर्त– प्रात : 04 :49 से 05 :37 तक।
–अभिजीत मुहूर्त– दोपहर 12 :07 से 12 :55 तक।
–अमृत काल– शाम 08 :18 से 10 :05 तक।
–रामनवमी पूजा का सबसे शुभ मुहूर्त– 11 :11 :38 से 13 :40 :20 तक।

श्री राम चालीसा

हिन्दू धर्मग्रंथों के अनुसार मर्यादा पुरुषोत्तम प्रभु श्रीराम विष्णु के दशावतारों में से 7वें अवतार हैं। श्रीराम एक आदर्श पुरुष थे। राम नवमी के दिन उनका पूजन, मंत्र, स्तुति, चालीसा, आरती, रामाष्टक आदि का पाठ करने से मनुष्य जीवन के भवसागर से पार पा जाते हैं, अतः हर मनुष्य को प्रतिदिन श्री राम की स्तुति करते हुए यह पाठ अवश्य करना चाहिए। अगर आप प्रतिदिन नहीं कर पा रहे हैं तो राम नवमी के दिन अवश्य ही पढ़ना चाहिए।

चौपाई

श्री रघुवीर भक्त हितकारी। सुन लीजै प्रभु अरज हमारी।।
निशिदिन ध्यान धरै जो कोई। ता सम भक्त और नहिं होई।।
ध्यान धरे शिवजी मन माहीं। ब्रह्म इन्द्र पार नहिं पाहीं।।
दूत तुम्हार वीर हनुमाना। जासु प्रभाव तिहूं पुर जाना।।
तब भुज दण्ड प्रचण्ड कृपाला। रावण मारि सुरन प्रतिपाला।।
तुम अनाथ के नाथ गुंसाई। दीनन के हो सदा सहाई।।
ब्रहमादिक तव पारन पावैं। सदा ईश तुम्हरो यश गावैं।।
चारिउ वेद भरत हैं साखी। तुम भक्तन की लज्जा राखीं।।
गुण गावत शारद मन माहीं। सुरपति ताको पार न पाहीं।।
नाम तुम्हार लेत जो कोई। ता सम धन्य और नहिं होई।।
राम नाम है अपरम्पारा। चारिहु वेदन जाहि पुकारा।।
गणपति नाम तुम्हारो लीन्हो। तिनको प्रथम पूज्य तुम कीन्हो।।
शेष रटत नित नाम तुम्हारा। महि को भार शीश पर धारा।।
फूल समान रहत सो भारा। पाव न कोऊ तुम्हरो पारा।।
भरत नाम तुम्हरो उर धारो। तासों कबहुं न रण में हारो।।
नाम शक्षुहन हृदय प्रकाशा। सुमिरत होत शत्रु कर नाशा।।
लखन तुम्हारे आज्ञाकारी। सदा करत सन्तन रखवारी।।
ताते रण जीते नहिं कोई। युद्ध जुरे यमहूं किन होई।।
महालक्ष्मी धर अवतारा। सब विधि करत पाप को छारा।।
सीता राम पुनीता गायो। भुवनेश्वरी प्रभाव दिखायो।।
घट सों प्रकट भई सो आई। जाको देखत चन्द्र लजाई।।
सो तुमरे नित पांव पलोटत। नवो निद्धि चरणन में लोटत।।
सिद्धि अठारह मंगलकारी। सो तुम पर जावै बलिहारी।।
औरहु जो अनेक प्रभुताई। सो सीतापति तुमहिं बनाई।।
इच्छा ते कोटिन संसारा। रचत न लागत पल की बारा।।
जो तुम्हे चरणन चित लावै। ताकी मुक्ति अवसि हो जावै।।
जय जय जय प्रभु ज्योति स्वरूपा। निर्गुण ब्रह्म अखण्ड अनूपा।।
सत्य सत्य जय सत्यव्रत स्वामी। सत्य सनातन अन्तर्यामी।।
सत्य भजन तुम्हरो जो गावै। सो निश्चय चारों फल पावै।।
सत्य शपथ गौरीपति कीन्हीं। तुमने भक्तिहिं सब विधि दीन्हीं।।
सुनहु राम तुम तात हमारे। तुमहिं भरत कुल पूज्य प्रचारे।।
तुमहिं देव कुल देव हमारे। तुम गुरु देव प्राण के प्यारे।।
जो कुछ हो सो तुम ही राजा। जय जय जय प्रभु राखो लाजा।।
राम आत्मा पोषण हारे। जय जय दशरथ राज दुलारे।।
ज्ञान हृदय दो ज्ञान स्वरूपा। नमो नमो जय जगपति भूपा।।
धन्य धन्य तुम धन्य प्रतापा। नाम तुम्हार हरत संतापा।।
सत्य शुद्ध देवन मुख गाया। बजी दुन्दुभी शंख बजाया।।
सत्य सत्य तुम सत्य सनातन। तुम ही हो हमरे तन मन धन।।
याको पाठ करे जो कोई। ज्ञान प्रकट ताके उर होई।।
आवागमन मिटै तिहि केरा। सत्य वचन माने शिर मेरा।।
और आस मन में जो होई। मनवांछित फल पावे सोई।।
तीनहुं काल ध्यान जो ल्यावै। तुलसी दल अरु फूल चढ़ावै।।
साग पत्र सो भोग लगावै। सो नर सकल सिद्धता पावै।।
अन्त समय रघुबरपुर जाई। जहां जन्म हरि भक्त कहाई।।
श्री हरिदास कहै अरु गावै। सो बैकुण्ठ धाम को पावै।।

दोहा

सात दिवस जो नेम कर, पाठ करे चित लाय।
हरिदास हरि कृपा से, अवसि भक्ति को पाय।।
राम चालीसा जो पढ़े, राम चरण चित लाय।
जो इच्छा मन में करै, सकल सिद्ध हो जाय।।
।।इतिश्री प्रभु श्रीराम चालीसा समाप्त:।।

श्री राम को प्रसन्न करेंगे तो मिलेंगे विजय और उन्नति के शुभ आशीष

10 अप्रैल को रामनवमी का पर्व मनाया जाएगा। इस दिन प्रभु श्रीराम का जन्म हुआ था। उनके जन्मोत्सव पर उन्हें सरल उपायों से प्रसन्न करके उनका आशीर्वाद प्राप्त कर सकते है जिससे हर क्षेत्र में विजय और उन्नति मिलेगी।

- रामनवमी के दिन 1 कटोरी में गंगा जल लेकर राम रक्षा मंत्र 'ऊँ श्रीं ह्रीं क्लीं रामचन्द्राय श्रीं नम:' का 108 बार जाप करें। फिर पूरे घर के कोने-कोने में उस जल का छिड़काव कर दें। इससे घर का वास्तुदोष तथा भूत-प्रेत, नजर बाधा, तंत्र बाधा आदि समाप्त हो जाते हैं। यह उपाय आप अपने ऑफिस-दुकान या व्यवसाय स्थल में भी कर सकते हैं।
- राम नवमी के दिन भगवान श्रीराम के मंदिर में या उनके चित्र के सामने 3 बार अलग-अलग समय पर श्रीरामचन्द्र कृपालु भजु मन,का पाठ करें, इससे जीवन की हर चीजें अनुकूल होने लगती है।
- रामनवमी पर भगवान श्रीराम का पूजन और वंदन करने से सुख, समृद्धि और शांति बढ़ती है। साथ ही संतान सुख की प्राप्ति होती है।
- नवमी के दिन लौकी खाना निषेध है, क्योंकि इस दिन लौकी का सेवन गौ-मांस के समान माना गया है। इस दिन कड़ी, पूरणपौल, खीर, पूरी, साग, भजिये, हलवा, कद्दू या आलू की सब्जी बनाई जा सकती है। माता दुर्गा और श्रीराम को भोग लगाने के बाद ही भोजन किया जाता है। इससे प्रभु श्रीराम प्रसन्न होकर आशीर्वाद देते हैं।
- भगवान श्रीरामजी को केसर भात, खीर, कलाकंद, बर्फी, गुलाब जामुन का भोग प्रिय है। इसके अलावा हलुआ, पूरनपोळी, लड्डू और सिवइयां भी उनको पसंद हैं।
- पंचामृत और धनिया पंजीरी दो तरह के प्रसाद उन्हें अर्पित किए जाते हैं। यह रामजी को बहुत ही पसंद है। उन्हें धनिए का प्रसाद चढ़ाते हैं। इसे धनिया पंजीरी कहते हैं। इसे सौंठ पंजीरी भी कहते हैं। यह कई तरह से बनाई जाती है।

राम नवमी
क्यों मनाया जाता है यह दिन

राम नवमी का संबंध भगवान विष्णु के अवतार मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्री राम से है। भगवान विष्णु ने अधर्म का नाश कर धर्म की स्थापना करने के लिये हर युग में अवतार धारण किए। इन्हीं में एक अवतार उन्होंने भगवान श्री राम के रुप में लिया था। जिस दिन भगवान श्री हरि ने राम के रूप में राजा दशरथ के यहां माता कौशल्या की कोख से जन्म लिया वह दिन चैत्र मास के शुक्ल पक्ष की नवमी का दिन था। यही कारण है कि इस तिथि को रामनवमी के रूप में मनाया जाता है। चैत्र नवरात्रि का भी यह अंतिम दिन होता है।

श्री राम का जन्म

पौराणिक ग्रंथों में जो कथाएं हैं उनके अनुसार भगवान राम त्रेता युग में अवतरित हुए। उनके जन्म का एकमात्र उद्देश्य मानव मात्र का कल्याण करना, मानव समाज के लिए एक आदर्श पुरुष की मिसाल पेश करना और अधर्म का नाश कर धर्म की स्थापना करना था। यहां धर्म का अर्थ किसी विशेष धर्म के लिए नहीं बल्कि एक आदर्श कल्याणकारी समाज की स्थापना से है।

राजा दशरथ जिनका प्रताप 10 दिशाओं में व्याप्त रहा। उन्होंने तीन विवाह किए थे लेकिन किसी भी रानी से उन्हें पुत्र की प्राप्ति नहीं हुई। ऋषि मुनियों से जब इस बारे में विमर्श किया तो उन्होंने पुत्रेष्टि यज्ञ करवाने की सलाह दी। पुत्रेष्टि यज्ञ करवाने के पश्चात यज्ञ से जो खीर प्राप्त हुई उसे राजा दशरथ ने अपनी प्रिय पत्नी कौशल्या को दे दिया।

कौशल्या ने उसमें से आधा हिस्सा केकैयी को दिया इसके पश्चात कौशल्या और केकैयी ने अपने हिस्से से आधा-आधा हिस्सा तीसरी पत्नी सुमित्रा को दे दिया। इसीलिए चैत्र शुक्ल नवमी को पुनर्वसु नक्षत्र एवं कर्क लग्न में माता कौशल्या की कोख से भगवान श्री राम जन्मे। केकैयी से भरत ने जन्म लिया तो सुमित्रा ने लक्ष्मण व शत्रुघ्न को जन्म दिया।

कैसे मनाते हैं रामनवमी

भगवान श्री राम को मर्यादा का प्रतीक माना जाता है। उन्हें पुरुषोत्तम यानि श्रेष्ठ पुरुष की संज्ञा दी जाती है। वे स्त्री पुरुष में भेद नहीं करते। अनेक उदाहरण हैं जहां वे अपनी पत्नी सीता के प्रति समर्पित व उनका सम्मान करते नजर आते हैं। वे समाज में व्याप्त ऊंच-नीच को भी नहीं मानते। शबरी के झूठे बेर खाने का और केवट की नाव चढ़ने का उदाहरण इसे समझने के लिए सर्वोत्तम है। वेद शास्त्रों के ज्ञाता और समस्त लोकों पर अपने पराक्रम का परचम लहराने वाले, विभिन्न कलाओं में निपुण लंकापति रावण के अंहकार के किले को ध्वस्त करने वाले पराक्रमी भगवान श्री राम का जन्मोत्सव देश भर में धूमधाम के साथ मनाया जाता है। इस दिन भगवान श्री राम की भक्ति में डूबकर भजन कीर्तन किए जाते हैं। श्री रामकथा सुनी जाती है। रामचरित मानस का पाठ करवाया जाता है। श्री राम स्त्रोत का पाठ किया जाता है। कई जगहों भर भगवान श्री राम की प्रतिमा को झूले में भी झुलाया जाता है। रामनवमी को उपवास भी रखा जाता है। मान्यता है कि रामनवमी का उपवास रखने से सुख समृद्धि आती है और पाप नष्ट होते हैं।

जब प्रभु श्रीराम ने दिया भक्त हनुमान को वरदान

लंका पर विजय प्राप्त करने के बाद भगवान श्रीराम अयोध्या में अपने परिजनों के साथ बैठे हुए थे। श्रीराम, हनुमानजी द्वारा की गई सहायता को याद कर भावविभोर हो रहे थे। वह बोले, ' हनुमान ने संकट के समय मेरी सहायता की, लेकिन मैंने उन्हें कुछ भी नहीं दिया।' उन्होंने हनुमानजी से कहा, मैंने विभीषण को लंका का राज्य दिया। सुग्रीव को किष्किंधा का राजा और अंगद को युवराज बनाया। आज मैं तुम्हें भी कुछ देना चाहता हूं। इसलिए तुम इच्छित वर मांग सकते हो। हनुमानजी निष्काम भक्ति के साकार रूप थे। उन्होंने श्रीराम से विनम्रता से कहा, प्रभु आप मुझसे बहुत प्रेम करते हैं। मुझ पर आपकी असीम कृपा है। अब और मांगकर क्या करूंगा। लेकिन श्रीराम हनुमानजी को उस दिन कुछ न कुछ देने के लिए आकांक्षी थे। अचानक हनुमानजी ने कहा कि, भगवान आपने सभी को एक-एक पद (चरण) दिए हैं। क्या आप मुझे भी पद दे सकेंगे। श्रीराम कुछ समझ नहीं पाए, फिर भी बोले तुम्हें कौन सा पद चाहिए हनुमान?

हनुमानजी अपने स्थान से उठे और उन्होंने प्रभु राम के चरण पकड़ लिए। हनुमानजी बोले, मैं इन दो पदों की हर क्षण सेवा करता रहूं, यही वरदान चाहिए। श्रीराम की आंखों से अश्रु बहने लगे और उन्होंने श्री हनुमान जी को को गले लगा कर यह वरदान दिया कि जीवन भर उनकी सेवा करते रहें।

श्रीराम की आराधना करें शिव के साथ

'भगवान शिव' राम के इष्ट एवं 'राम' शिव के इष्ट हैं। ऐसा संयोग इतिहास में नहीं मिलता कि उपास्य और उपासक में परस्पर इष्ट भाव हो इसी स्थिति को संतजन 'परस्पर देवोभव' का नाम देते हैं। शिव का प्रिय मंत्र 'ऊ नम: शिवाय' एवं 'श्रीराम जय राम जय जय राम' मंत्र का उच्चारण कर शिव को जल चढ़ाने से भगवान शिव अत्यंत प्रसन्न होते हैं। भगवान राम ने स्वयं कहा है : 'शिव द्रोही मम दास कहावा सो नर मोहि सपनेहु नहि पावा।' अर्थात जो शिव का द्रोह कर के मुझे प्राप्त करना चाहता है वह सपने में भी मुझे प्राप्त नहीं कर सकता। इसीलिए शिव आराधना के साथ श्रीरामचरितमानस पाठ का बहुत महत्वपूर्ण होता है।

मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम 14 वर्ष के वनवास काल के बीच जब जाबालि ऋषि की तपोभूमि मिलने आए तब भगवान गुप्त प्रवास पर नर्मदा तट पर आए। उस समय यह पर्वतों से घिरा था। रास्ते में भगवान शंकर भी उनसे मिलने आतुर थे, लेकिन भगवान और भक्त के बीच वे नहीं आ रहे थे। भगवान राम के पैरों को कंकर न चुभें इसीलिए शंकरजी ने छोटे-छोटे कंकरों को गोलाकार कर दिया। इसलिए कंकर-कंकर में शंकर बोला जाता है। जब प्रभु श्रीराम रेवा तट पर पहुंचे तो गुफा से नर्मदा जल बह रहा था। श्रीराम यहीं रुके और बालू एकत्र कर एक माह तक उस बालू का नर्मदा जल से अभिषेक करने लगे। आखिरी दिन शंकरजी वहां स्वयं विराजित हो गए और भगवान राम-शंकर का मिलन हुआ। शिवप्रिय मैकल सैल सुता सी, सकल सिद्धि सुख संपति राशि, रामचरित मानस की ये पंक्तियां श्रीराम और शिव के चरण पड़ने की साक्षी है।

पाकिस्तान में मौलवी ने मस्जिद के अंदर नाबालिग लड़के से पूरी रात किया दुष्कर्म -खाने में मिला दी नींद की गोलियां

इस्लामाबाद । रमजान के पाक महीने में चौंकाने वाली घटना में पाकिस्तान से आ रही हैं। यहां पर एक मौलवी ने कथित तौर पर एक मस्जिद के अंदर एक लड़के को नशीला पदार्थ देकर पूरी रात उसके साथ बार-बार बलात्कार किया। प्राथमिकी के अनुसार, यह घटना पाकिस्तान के गुजरात में शाहीन चौक पुलिस स्टेशन के अधिकार क्षेत्र में 9 और 10 मार्च की दरम्यानी रात को हुई थी। पीड़ित ने आरोप लगाया है कि मौलवी मोहम्मद रियाज कथित तौर पर जामिया मस्जिद बुराक में मस्जिद के इमाम हैं। उन्होंने पीड़ित को फोन कर लड़के को रमजान के दौरान तरावीह की नमाज के बारे में परामर्श के लिए मस्जिद में बुलाया। इसके तुरंत बाद, पीड़िता मस्जिद पहुंचा जहां नमाज के बाद आरोपी ने बताया कि मस्जिद समिति इस मामले पर परामर्श के लिए उपलब्ध नहीं है। इसके बाद आरोपी ने लड़के को रात में वहीं रुकने के लिए कहा। पीड़ित ने मौलवी की बात मान ली। इसके बाद में नाबालिग लड़का ने खाना खाने के बाद सो गया। बाद में जब नाबालिग लड़का सुबह करीब 8 बजे उठा, तब उस एहसास हुआ कि आरोपी रात भर उसके साथ कथित तौर पर दुष्कर्म कर रहा था। प्राथमिकी में पीड़ित ने कहा कि आरोपी ने उसके साथ मारपीट की और जब लड़के ने उसे रोकने की कोशिश की, तब उस जान से मारने की धमकी भी दी। पीड़ित ने बताया कि मौलवी ने खाने में कथित तौर पर नींद की गोलियां मिला दी थीं और आरोपी ने रात भर उसके साथ बार-बार दुष्कर्म किया।

ब्राजील में कोरोना के मरने वालों की संख्या 7 लाख के पार

-मरने के मामले में अमेरिका के बाद दूसरे नंबर पर

साओ पाउलो । ब्राजील में कोरोना के संक्रमण से सात लाख लोगों की जान गई है। अमेरिका के बाद ब्राजील में कोरोना के संक्रमण से सबसे अधिक मौतें हुई हैं। मृतकों का आंकड़ा सात लाख पहुंचने के बाद ब्राजील के स्वास्थ्य विशेषज्ञों का कहना है कि हाल के दिनों में कोविड-19 से मरने वाले अधिकतर लोगों का या टीकाकरण नहीं हुआ था या वे अन्य बीमारियों से पीड़ित थे। स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक, ब्राज़ील में प्रत्येक स्वास्थ्य केंद्र में वर्तमान में उपलब्ध टीका उन परिवारों के जीवन में बदलाव ला सकता है, जिन्होंने अपने प्रियजनों को महामारी में खो दिया है। स्वास्थ्य मंत्री निसिया त्रिनदादे ने कोरोना महामारी से निपटने के तरीके के लिए पूर्व राष्ट्रपति जायर बोल्सोनारो की आलोचना की। पूर्व राष्ट्रपति कोरोना से संक्रमित हो गए थे और बाद में उन्होंने कोरोना का टीका लेने से इनकार किया था और स्वास्थ्य प्रतिबंधों का उल्लंघन किया। निसिया ने कहा, हमें अतीत को देखना होगा, लेकिन साथ ही हमें यह कहना होगा कि स्वास्थ्य मंत्रालय समन्वय नहीं करने, देखभाल नहीं करने, इलाज (बीमारी का) नहीं करने की गलती नहीं कर सकता। हमें एकजुट होने की जरूरत है ताकि नई त्रासदी न हो।

मैं भगवद गीता पर निष्ठा की शपथ लेने वाला पहला ऑस्ट्रेलियाई मंत्री : डैनियल मुखी

-भारतीय मूल के ऑस्ट्रेलियाई डैनियल मुखी ने एनएसडब्ल्यू के कोषाध्यक्ष पद की ली शपथ

मेलबोर्न । भारतीय मूल के ऑस्ट्रेलियाई नेता ने एनएसडब्ल्यू के कोषाध्यक्ष पद की शपथ भगवद गीता पर ली। सिडनी में गवर्नर मार्गरेट बेजले द्वारा ऑस्ट्रेलिया के न्यू साउथ वेल्स (एनएसडब्ल्यू) राज्य के कोषाध्यक्ष के रूप में शपथ लेने के दौरान भारतीय मूल के राजनेता डैनियल मुखी ने पवित्र भगवद गीता की शपथ ली। मुखी ने मंगलवार को एनएसडब्ल्यू प्रीमियर क्रिस मिन और 6 अन्य मंत्रियों के साथ शपथ ली। मुखी ने एक बयान में कहा कि एनएसडब्ल्यू के महान राज्य के कोषाध्यक्ष के रूप में शपथ ली। एनएसडब्ल्यू के लोगों को धन्यवाद, जिन्होंने हमें यह सम्मान और विशेषाधिकार सौंपा। डैनियल मुखी ने कहा कि मैं भगवद गीता पर निष्ठा की शपथ लेने वाला पहला ऑस्ट्रेलियाई मंत्री, राज्य या संघ के रूप में अविश्वसनीय रूप से सम्मानित और विनम्र हूं। यह केवल इसलिए संभव है, क्योंकि ऑस्ट्रेलिया मेरे माता-पिता जैसे लोगों के योगदान के लिए इतना खुला और स्वागत करने वाला है, जिनके बारे में मैं आज शपथ लेते समय बहुत कुछ सोच रहा हूं। डैनियल मुखी को एनएसडब्ल्यू के ऊपरी सदन में स्टीव वॉन की जगह लेने के लिए लेबर द्वारा चुना गया था, जिससे वह भारतीय पृष्ठभूमि के राज्य के पहले राजनेता बन गए और साथ ही भगवद गीता पर निष्ठा की शपथ लेने वाले पहले व्यक्ति बन गए। साल 2019 में वह वित्त और स्मॉल बिजनेस के शैडो मंत्री और गिग अर्थव्यवस्था के शेडो मंत्री बने। गवर्नर बेजले ने मंत्रियों को संबोधित करते हुए कहा कि वास्तव में कड़ी मेहनत फिर से करने से पहले यह आराम करने और आनंद लेने का समय है। मुखी के माता-पिता 1973 में पंजाब से ऑस्ट्रेलिया चले गए थे। ब्लैकटाउन उपनगर में जन्मे मुखी के पास यूनिवर्सिटी की तीन डिग्रियां हैं और उन्होंने यूनियनों, चैरिटी और सामुदायिक समूहों के सलाहकार के रूप में काम किया है।

भूस्खलन में मृतक संख्या बढ़कर हुई आठ

एलौसी । मध्य इक्वाडोर में हुए भीषण भूस्खलन में करने वालों की संख्या आठ हो गई है। मलबे से छह वर्षीय बच्ची के शव को भी निकाल लिया गया है, जबकि 60 से अधिक लोग अब भी लापता हैं। हालांकि जारी बचाव अभियान के दौरान 40 घंटे की तलाश के बाद बच्ची का शव बाहर निकाला गया। गौरतलब है कि एलौसी में रविवार रात हुए भूस्खलन के कारण कम से कम 50 मकान ढह गए। इससे पहले अधिकारियों ने 16 लोगों की मौत होने की जानकारी दी थी लेकिन राष्ट्रपति गुइलेरमो लासो ने बाद में सात लोगों की मौत की पुष्टि की और एक बच्ची का शव मिलने के बाद यह संख्या बढ़कर आठ हो गई। उधर इक्वाडोर के जोखिम प्रबंधन सचिवालय ने बताया कि रविवार रात करीब 10 बजे पर्वत की ओर की जमीन धंसने के बाद हागति बिगड हताहत हुए 30 से अधिक लोगों को बचा लिया गया। हालांकि 60 से अधिक लोग अभी भी लापता हैं।

उद्योगपति नवीन जिंदल को दिया 'लाइफटाइम अचीवमेंट' अवार्ड

वाशिंगटन । उद्योगपति नवीन जिंदल को 'लाइफटाइम अचीवमेंट' पुरस्कार से नवाजा गया है। अमेरिका में डलास स्थित टेक्सास विश्वविद्यालय ने उन्हें उद्योग, राजनीति और शिक्षा के क्षेत्र में विशेष उपलब्धियों के लिए 'लाइफटाइम अचीवमेंट' पुरस्कार देकर सम्मानित किया है। गौरतलब है कि उद्योगपति नवीन जिंदल टेक्सास विश्वविद्यालय के 1992 बैच के पूर्व छात्र है। इसके पूर्व उन्हें 2010 में विश्वविद्यालय के प्रतिष्ठित पूर्व छात्र पुरस्कार से भी सम्मानित किया जा चुका है। नोबेल पुरस्कार से सम्मानित अजीज सैंकर के बाद टेक्सास विश्वविद्यालय से 'लाइफटाइम अचीवमेंट' पुरस्कार प्राप्त करने वाले जिंदल दूसरे व्यक्ति हैं। 'लाइफटाइम अचीवमेंट' पुरस्कार टेक्सास विश्वविद्यालय द्वारा अपने पूर्व छात्रों को दिया जाने वाला सर्वोच्च सम्मान है, जिसके जरिए समाज को बेहतर बनाने में असाधारण योगदान देने वाले पूर्व छात्र को सम्मानित किया जाता है। विश्वविद्यालय के छात्र के रूप में जिंदल 'स्टूडेंड गर्वनमेंट' के उपाध्यक्ष और अध्यक्ष रहे थे, उन्हें वर्ष के सर्वश्रेष्ठ छात्र नेता का पुरस्कार दिया गया था।

ग्रीस में पाकिस्तानी आतंकी उड़ाना चाहते थे यहूदी रेस्तरां

तेल अवीव । ग्रीस में पाकिस्तानी आतंकी यहूदी रेस्तरां उड़ाना चाहते थे, जिसे इजरायली खुफिया एजेंसी मोसाद ने आतंकी हमले की साजिश को नाकाम कर दिया। इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने मंगलवार देर रात कहा कि उनके देश की खुफिया एजेंसी मोसाद ने एथेंस में एक यहूदी स्थल पर आतंकी हमले की साजिश को नाकाम करने में ग्रीस की मदद की है। इससे पहले ग्रीस के अधिकारियों ने कहा कि दो पाकिस्तानी मूल के लोगों को कथित रूप से एक यहूदी रेस्तरां पर हमले की साजिश रचने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। हमले में बड़े पैमाने पर लोगों की जान जा सकती थी। संदिग्धों पर मंगलवार को आतंकवाद के अपराधों का आरोप लगाया गया। एक तीसरे फरार शख्स, जिसे ग्रीस के बाहर का माना जा रहा है, पर भी यही आरोप लगाए गए हैं। इजरायली प्रधानमंत्री कार्यालय ने बयान जारी कर कहा है कि हमलावरों के तार ईरान से जुड़े थे। बयान में कहा गया है कि ग्रीस में संदिग्धों की जांच शुरू करने के बाद मोसाद ने उनके इंफ्रास्ट्रक्चर, काम करने के तरीकों और ईरान के साथ संबंध को उजागर करने में खुफिया सहायता मुहैया कराई।

रोम में इटली की वायुसेना के विमान सेंटीनेरी समारोह में अपने कौशल का प्रदर्शन करते हुए।

यूक्रेनी राष्ट्रपति जेलेंस्की ने चीनी राष्ट्रपति जिनपिंग को दिया देश आने का निमंत्रण

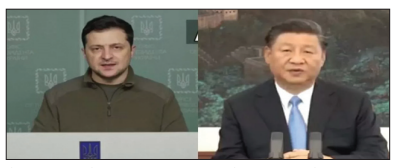

कीव । यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने बुधवार को मीडिया को दिए एक साक्षात्कार में चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग को देश का दौरा करने का निमंत्रण दिया। उन्होंने मीडिया को बताया कि हम उन्हें यहां देखने के लिए तैयार हैं। चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग रूस के तीन दिवसीय दौरे पर थे। यह यात्रा 20 मार्च को शुरू हुई थी। शी जिनपिंग की अगवानी रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने की। शी जिनपिंग की यात्रा को लेकर वर्ल्ड पॉलिटिक्स में कई तर्क दिए जा रहे हैं। कहा जा रहा है कि इस यात्रा से ड्रैगन ने पश्चिमी देशों को संदेश दिया है कि वे विश्व पटल पर यूक्रेन के पीछे खड़ा है। रूस-यूक्रेन युद्ध में चीन ने तटस्थता दिखाने की कोशिश की है। चीन ने रूस की स्थिति का समर्थन किया है। इस युद्ध के लिए अमेरिका और नाटो देशों को जिम्मेदार ठहराया है। वहीं, चीन चाहता है कि रूस पश्चिम देशों के साथ-साथ यूएस का मुकाबला करने के लिए समर्थन करे। चाइना का रुख है कि अमेरिका उनके बढ़ते दबदबे का विरोध करता है। शी जिनपिंग ने अमेरिका के कथित प्रयासों के खिलाफ कई बार कड़ा रुख अपनाया है। इस बीच रूस और चीन के राष्ट्रपतियों की मुलाकात ने सबका ध्यान खींचा है। इस मुलाकात से विश्व राजनीति में क्या बदलाव आएगा, यह देखना अहम होगा।

डोकलाम विवाद को हल करने में चीन की भी समान भूमिका: भूटानी पीएम शेरिंग

-भूटानी पीएम का बदला सुर, चीन के हां में हां मिलाने लगे

थिंपू (एजेंसी)। भूटानी पीएम शेरिंग ने एक इंटरव्यू में कहा कि डोकलाम विवाद को हल करने में चीन की भी समान भूमिका है। उनके हालिया बयान इस विवादित और रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण क्षेत्र पर भूटान के बदलते पक्ष को दिखाते हैं। इससे पहले भूटान ने दावा किया था कि चीन ने उसकी सीमा में कोई गांव नहीं बसाया है। डोकलाम भारत, चीन और भूटान तीनों देशों को जोड़ने वाला केंद्र बिंदु है। साल 2017 के डोकलाम गतिरोध के बाद से यह तीनों देशों के बीच तनाव का प्रमुख कारण रहा है।

मीडिया को दिए एक हालिया इंटरव्यू में शेरिंग ने कहा कि समस्या को हल करना अकेले भूटान के हाथ में नहीं है। हम तीन देश हैं। कोई मुल्क बड़ा या छोटा नहीं है, तीनों समान हैं, प्रत्येक की गिनती एक तिहाई के रूप में होती है। चीन ने डोकलाम के पास भूटान के क्षेत्र में गांवों और सड़कों का निर्माण किया है, जो क्षेत्र में भारत के लिए सबसे बड़ी चुनौती हैं। भारत डोकलाम में चीन के विस्तार का विरोध करता है और अपने रणनीतिक सिलीगुड़ी कॉरिडोर के लिए इसे सबसे बड़ा खतरा मानता है।

शेरिंग का बयान दिखाता है कि भूटान भारत और चीन के साथ डोकलाम की स्थिति पर बातचीत करने और विवाद को हल करने में इच्छुक है। चीन का लक्ष्य ट्राई-जंक्शन को दक्षिण की ओर शिफ्ट करना है, जिससे पूरा डोकलाम कानूनी रूप से चीन का हिस्सा बन जाएगा। भारत इस कदम का विरोध करता है। एक तरफ भूटानी पीएम दावा कर रहे हैं कि चीन उनकी सीमा में नहीं घुसा है तो वहीं सैटेलाइट तस्वीरें बताती हैं कि चीन ने भूटान के क्षेत्र में 10 गांव बसा लिए हैं।

भारतीय और चीनी सैनिकों के बीच साल 2017 में 2 माह तक अधिक समय तक तनावपूर्ण गतिरोध चला था। भारतीय सैनिकों ने डोकलाम पठार में प्रवेश किया था, ताकि चीन को माउंट जिपमोची और आसपास के झम्फेरी रिज की ओर अवैध रूप से निर्मित सड़क का विस्तार करने से रोका जा सके। भारतीय सेना का दावा है कि चीनी सेना को झम्फेरी तक पहुंचने दिया गया तो उन्हें सिलीगुड़ी कॉरिडोर के लिए एक साफ रास्ता मिल जाएगा।

चीन ने दिया अमेरिका को झटका, सऊदी अरब को एससीओ में शामिल कराया

रियाद (एजेंसी) । सऊदी अरब ने ऐलान किया है कि वह शंघाई सहयोग संगठन में शामिल हो गया है। सऊदी कैबिनेट ने बुधवार को एससीओ में शामिल होने को मंजूरी दे दी। सऊदी अरब ने इस तरह से ईरान के साथ डील के बाद एक और ऐसा कदम उठाया है, जिससे चीन के साथ उसके रिश्ते और मजबूत होने जा रहे हैं। वह भी तब जब अमेरिका ने सऊदी अरब की नई नीति को लेकर सुरक्षा चिंता जाहिर की है। सऊदी अरब ने एससीओ में शामिल होने का ऐलान उस समय पर किया है, जब चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने मंगलवार को सऊदी प्रिंस से बात की है।

इसके पहले पिछले साल दिसंबर में अपनी यात्रा के दौरान चीनी राष्ट्रपति ने एससीओ में शामिल होने के बारे में सऊदी प्रिंस से बातचीत की थी। सऊदी अरब की मीडिया ने बताया कि सऊदी अरब ने एससीओ में डायलॉग पार्टनर बनने के लिए मंजूरी दे दी है। चीन एससीओ को नाटो के मुकाबले खड़ा करने की कोशिश कर रहा है, जिसमें रूस, ईरान, भारत और पाकिस्तान भी शामिल हैं। एससीओ की स्थापना साल 2001 में रूस और चीन की ओर से की गई थी। बाद में इसमें भारत और पाकिस्तान को शामिल किया गया।

चीन और रूस ने पश्चिमी देशों के प्रभाव को कम करने के लिए एससीओ की स्थापना की थी। ईरान ने पिछले साल एससीओ की पूर्ण सदस्यता के लिए दस्तावेज पर हस्ताक्षर किया था। डायलॉग पार्टनर एससीओ में शामिल होने की दिशा में पहला कदम माना जाता है। इसके बाद संबंधित देश को पूर्ण सदस्यता दी जाती है। एससीओ में शामिल होने के ऐलान को तब किया गया है, जब सऊदी की विशालकाय सरकारी तेल कंपनी अरमाको ने चीन के साथ अरबों डॉलर का निवेश समझौता किया है। सऊदी कंपनी चीनी कंपनी में हिस्सा खरीदने जा रही है। सऊदी अरब और चीन के बीच बढ़ते रिश्ते से अमेरिका की भौंहें तन गई हैं, जो उसका परंपरागत सहयोगी है। अमेरिका ने कहा है कि चीन दुनिया में प्रभाव जमाने की कोशिश कर रहा है लेकिन इससे हमारी मिडिल ईस्ट में पॉलिसी में कोई बदलाव नहीं होने जा रहा है। सऊदी अरब और खाड़ी के अन्य देशों ने अमेरिका को लेकर चिंता जाहिर की थी जिसे पश्चिम एशिया में सुरक्षा की गारंटी माना जाता है। सऊदी अपने रिश्तों में विविधता ला रहा है और भारत तथा चीन के साथ रिश्ते मजबूत कर रहा है।

सत्तारूढ़ गठबंधन की बैठक में नहीं हुआ सत्ता-साझाकरण समझौता

काठमाण्डु (एजेंसी)। सत्ता साझाकरण समझौते को लेकर आहूत बैठक में कोई समति नहीं बन पाई। इसके लिए नेपाल के सत्तारूढ़ गठबंधन के शीर्ष नेताओं ने सत्ता-साझाकरण व्यवस्था पर चर्चा करने अपस में मुलाकात की, लेकिन समझौते पर कोई निर्णय नहीं हो पाया। पार्टी के एक पदाधिकारी ने यह जानकारी देते हुए बताया कि बालूवटार में प्रधानमंत्री के सरकारी आवास पर बैठक के दौरान प्रधानमंत्री पुष्प कमल दहल 'प्रचंड', नेपाली कांग्रेस के अध्यक्ष शेर बहादुर देउबा, सीपीएन-यूनिफाइड सोशलिस्ट के अध्यक्ष माधव कुमार नेपाल और नेपाल समाजवादी पार्टी के नेता डॉ. बाबूराम भट्टाराई एक साथ बैठे और उन्होंने विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की। बैठक के दौरान लोकतांत्रिक समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष महंत ठाकुर, जनमत पार्टी के प्रमुख डॉ. सी.के. राउत, नागरिक उन्मुक्ति पार्टी की अध्यक्ष रंजीता श्रेष्ठ, राष्ट्रीय जनमोर्चा की अध्यक्ष चित्रा बहादुर केसी भी उपस्थित रहीं। सीपीएन-माओवादी सेंटर के सचिव गणेश शाह ने कहा कि बैठक के दौरान मुख्य रूप से सत्ता में हिस्सेदारी, मंत्रिमंडल विस्तार और सत्ताधारी गठबंधन के न्यूनतम साझा कार्यक्रम से संबंधित मामले प्रमुख रहे। सत्ताधारी दलों के नेताओं ने प्रधानमंत्री प्रचंड द्वारा पेश साझा कार्यक्रम पर सहमति जताई जबकि सत्ता बंटवारे को लेकर कोई समझौता नहीं हो सका। लेकिन वे जल्द से जल्द मंत्रिमंडल का विस्तार करने पर सहमत हो गए हैं।

सीजेआई की ताकत हुई कम, पेश किया विधेयक

इस्लामाबाद (एजेंसी)। सीजेआई की ताकत को कम करने केबिनेट ने विधेयक पेश कर दिया है। पाकिस्तान की सरकार चाहती है कि वहां के प्रधान न्यायाधीश की विवेकाधीन शक्तियों में कटौती करना जरुरी है। इसे लेकर एक विधेयक संसद में पेश किया। कानून मंत्री आजम नजीर तरार ने 'द सुप्रीम कोर्ट (प्रैक्टिस एंड प्रोसेड्योर) एक्ट, 2023' को कैबिनेट की मंजूरी के बाद संसद में पेश किया। यहां यह बात गौरतलब है कि विधेयक का संसद में पेश होना और प्रधानमंत्री शरीफ का यह बयान ऐसे समय आया है, जब पाकिस्तान के उच्चतम न्यायालय के दो न्यायाधीशों ने देश के शीर्ष न्यायाधीश की स्वतः संज्ञान लेने की शक्तियों पर सवाल उठाया। इससे पहले दिन में प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने कहा था कि यदि संसद ने प्रधान न्यायाधीश की शक्तियों को कम करने के लिए कानून नहीं बनाया, तो इतिहास हमें माफ नहीं करेगा। इसलिए प्रधान न्यायाधीश की शक्ति को सीमित करने की जरुरत है। प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने संसद के संयुक्त सत्र को संबोधित करते हुए, उच्चतम न्यायालय के न्यायमूर्ति मंसूर अली शाह और न्यायमूर्ति जमाल खान मंडोखैल के असहमतिपूर्ण फैसले के बारे में विस्तार से चर्चा की, जिन्होंने प्रधान न्यायाधीश के किसी भी मुद्दे पर कार्रवाई के लिए स्वतः संज्ञान लेने और विभिन्न मामलों की सुनवाई के लिए पसंद की पीठ का गठन करने के असीमित अधिकार की आलोचना की। हालांकि उनका फैसला प्रधान न्यायाधीश उमर अता बंदियाल द्वारा पंजाब और खैबर पख्तूनख्वा प्रांतों में चुनावों के बारे में स्वतः संज्ञान लेने के बारे में था।

रूस की महाविनाशक परमाणु मिसाइल यार्स तबाही मचाने तैयार

मास्को । रूस की सेना ने अपनी महाविनाशक यार्स मिसाइल के साथ अभ्यास शुरू कर दिया है। इस महाद्वीपीय मिसाइल की रेंज 12 हजार किमी है और यह अमेरिका तक तबाही मचा सकती है। यूक्रेन में चल रहे भीषण युद्ध के दौरान किसी को भी यह खबर दुविधा में डालने वाली है। माना जा रहा है कि इस अभ्यास के जरिए रूस अपनी परमाणु ताकत का प्रदर्शन कर रहा है। जानकारी के मुताबिक रूसी यार्स इतना खतरनाक है कि केवल एक मिसाइल अपने साथ कई परमाणु बम ले जा सकती है। अभ्यास में रूस के हजारों की तादाद में सैनिक भी हिस्सा ले रहे हैं। रूस के रक्षा मंत्रालय से जारी बयान के अनुसार कुल 3000 सैनिक और 300 हथियार इस अभ्यास में हिस्सा ले रहे हैं। रूसी रक्षा मंत्रालय ने कहा कि रणनीतिक मिसाइल को संभालने वाले सैनिक इसे छिपाकर रखेंगे और उसकी अंतरिक्ष से निगरानी नहीं की जा सकेगी। इसमें एयरोस्पेस फोर्स का भी इस्तेमाल किया जाएगा। यह मिसाइल 12000 किमी तक कई परमाणु बमों के साथ हमला कर सकती है जिससे रूसी परमाणु प्रतिरोधक क्षमता काफी बढ़ गई है। गौरतलब है कि बेलारूस लगातार यूक्रेन को चेतावनी दे रहा है। फलस्वरुप यूक्रेन पर पिछले साल हमला करने के बाद रूस ने कई सैन्य अभ्यास किये हैं। अपने करीबी बेलारूस के साथ ये अभ्यास यूक्रेन की सीमा पर किए गए हैं।

भारत के साथ रिश्ता पाकिस्तान को सतत विकास की ओर ले जाएगा: राजनीतिक विशेषज्ञ साद अजीज

-पाकिस्तानी विशेषज्ञ पाक सरकार को दे रहे सलाह

इस्लामाबाद (एजेंसी)। (ईएमएस)। पाकिस्तानी विशेषज्ञों ने मीडिया से कहा कि भारत और पाकिस्तान सन् 1947 में विभाजन के दो देश बन गए। आज आजादी के सात दशक बाद एक देश में जहां खुशहाली है तो दूसरे देश में तंगहाली है। भारत ने कुछ दशकों में तेजी से तरक्की की है और आज वह वर्ल्ड लीडर के तौर पर जाना जा रहा है। उसका प्रभाव भी बढ़ता जा रहा है। वह दुनिया में उसे एक स्थिर, भरोसेमंद और जिम्मेदार देश के तौर पर देखा जाता है। वहीं एक तरफ पाकिस्तान है जो आज बर्बाद होने की कगार पर पहुंच चुका है। विशेषज्ञों के अनुसार तो आज न देश में लोकतंत्र बचा है और न ही आर्थिक प्रबंधन। ऐसे में वो इस बात की वकालत करने लगे हैं कि यही समय है, जब उनके देश को भारत के साथ शांति के साथ रहने की कोशिशें करनी होंगी। राजनीतिक विशेषज्ञ साद अजीज के अनुसार भारत के साथ रिश्ते पाकिस्तान को सतत विकास, विशेष रूप से मानव सुरक्षा पर फिर से ध्यान केंद्रित करने में मदद कर सकते हैं।

पाकिस्तान वह देश है, जो अक्सर दिवालिया होने की कगार पर रहता है: साद अजीज

देश के राजनीतिक विशेषज्ञ साद अजीज के अनुसार पाकिस्तान वह देश है, जो अक?सर दिवालिया होने की कगार पर रहता है। एक ऐसा मुल्क जो बस ऐसे लोगों की तलाश में रहता है, जो इसे बचा सकें। अंतरराष्ट्रीय मुद्राकोष यानी आईएमएफ से बेलआउट पैकेज की उम्मीद में है। आर्थिक मंदी, अव्यवस्थित शासन, उथल-पुथल राजनीतिक मंशा और आतंकवादी खतरों ने पाकिस्तान की अंतरराष्ट्रीय स्थिति को तेजी से कम किया है। एक वास्तविक लोकतंत्र बनाने के बजाय जहां सत्ता लोगों के पास होती है, पाकिस्तान ने मजबूत लोगों, मसीहाओं और चमत्कारों पर भरोसा किया है।

अर्थव्यवस्था की अगर बात करें तो भारत और पाकिस्तान के बीच की दूरी और बढ़ गई है। पाकिस्तान और भारत की तुलना आज के समय में हो ही नहीं सकती है। वर्ल्ड बैंक के अनुसार साल 2021 में भारत की जीडीपी 3.2 ट्रिलियन डॉलर थी, जबकि पाकिस्तान की जीडीपी 348 बिलियन डॉलर था। यह भारत करीब 10 फीसदी था। इसके अलावा भारत साल 2030 तक दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने के तरफ है और यह जापान और जर्मनी से भी आगे निकल जाएगा। वहीं पाकिस्तान की आर्थिक संभावनाएं मंद दिखाई देती हैं।

पाकिस्तान में सरकारें और यहां का एलीट वर्ग काफी लंबे समय तक कश्मीर विवाद पर भारत और राष्ट्रीय भावनाओं के बीच की दुश्मनी को आगे बढ़ाता आया है। ये वर्ग अभी तक कठोर आंतरिक निर्णय लेने से बच रहा है। विशेषज्ञ मानते हैं कि आर्थिक संकट और अपने अस्तित्व का सामना कर रहा पाकिस्तान, भारत के खिलाफ दुश्मनी कायम रखने की स्थिति में नहीं है। उनकी मानें तो पाकिस्तान की सेना न तो भारत की मिलिट्री से कहीं ज्यादा मॉर्डन है और साथ ही देश में निवेश भी लगातार आसमान छू रहा है।

साद अजीज कहना है कि मौका मिलने पर भारत ने पाकिस्तान की आंतरिक कमजोरियों का फायदा उठाया। मगर इसके बाद

भी जिस तरह से भारत तरक्की कर रहा है पाकिस्तान उसका फायदा उठा सकता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपने राजनीतिक कद से पाकिस्तान को भी फायदा पहुंचा सकते हैं। भारत के साथ पीपुल-टू-पीपुल कॉन्टैक्ट्स और मजबूत व्यापार संबंध पाकिस्तान को उसकी खोई हुई दिशा हासिल करने में मदद कर सकते हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

बधाई हो.....नामीबिया से आई मादा चीता ने दिया चार बच्चों को जन्म

-कूनो नेशनल पार्क से आई अच्छी खबर

श्योपुर । मध्यप्रदेश के श्योपुर जिले में स्थित कूनो नेशनल पार्क से बुधवार को अच्छी खबर आई है। नामीबिया से आई मादा चीता ने चार बच्चों को जन्म दिया है। केंद्रीय वन और पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव ने ट्वीट कर इसकी जानकारी दी है। सीएम शिवराज सिंह चौहान ने भी ट्वीट कर इस पर खुशी जाहिर की है। मादा चीता सियाया ने चार बच्चों को जन्म दिया है। वाइल्ड लाइफ एक्सपर्ट की टीम ने भी बाड़े में जाकर इसकी पुष्टि की। सियाया बाड़ा नंबर 4 में है। जानकारी के मुताबिक सियाया ने दो दिन पहले इन शावकों के जन्म दिया है। पिछले साल सितंबर महीने में नामीबिया से आठ चीते भारत लाए गए थे। इन्हें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने जन्मदिन 17 सितंबर को कूनो नेशनल पार्क में छोड़ा था। इसमें से एक मादा चीता की सोमवार को मौत हो गई। वह किडनी की बीमारी से पीड़ित थी। जानकारी के मुताबिक भारत लाने से पहले ही मादा चीता को यह समस्या थी। जनवरी महीने में उसकी बीमारी के बारे में पता चलने के बाद विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम उसका इलाज कर रही थी, लेकिन मादा चीता को बचाया नहीं जा सका। इसके बाद से भारत सरकार के प्रोजेक्ट चीता पर सवालिया निशान खड़ हो रहे थे। इस बीच चार शावकों के जन्म से इस प्रोजेक्ट से संदेह के बादल हटने में मदद मिलेगी। सीएम शिवराज सिंह चौहान ने शावकों के जन्म पर खुशी जाहिर है।

अतीक को उम्रकैद की सजा सुनने वाले जज को वाई कैटिगरी की सुरक्षा

-फैसले के बाद शासन ने उठाया कदम

प्रयागराज । कुख्यात माफिया अतीक अहमद को उम्रकैद की सजा सुनाने वाले जज दिनेश चंद्र शुक्ला की सुरक्षा बढ़ाई गई है। नई व्यवस्था के अनुसार जज शुक्ला को वाई कैटिगरी की सुरक्षा दी गई है। अतीक अहमद को सजा सुनाने के बाद शासन की ओर से यह कदम उठाया गया है। इससे पहले मंगलवार को सजा सुनाने के लिए आ कोर्ट आ रहे जज को पुलिस सुरक्षा मिली थी। जस्टिस शुक?ला रायबरेली के रहने वाले हैं। वह 2009 बैच के जुडिशरी सर्विस के अधिकारी है। उनका जन्म 1 जनवरी 1968 को हुआ था। न्यायिक सेवा में आने के बाद उन्होंने भदौही से जुडिशल मैजिस्ट्रेट के रूप में अपने करियर की शुरुआत की थी। इसके बाद साल 2011 में वह प्रयागराज में अडिशनल सिविल जज बने। उमेश पाल की हत्या के बाद यह मामला बहुत चर्चित हो गया था। जनता में आक्रोश था, उमेश पाल का परिवार भी कड़ी से कड़ी सजा की मांग कर रहा था। जब अतीक अहमद को गुजरात की साबरमती जेल से प्रयागराज की नैनी जेल लाया गया तब भी रास्ते भर उसी पर निगाहें रहीं। इसके बाद मंगलवार सुबह से फैसला आने तक पूरे देश का मीडिया संभावित फैसले पर चर्चा कर रहा था।

एलओसी से लगे गांवों में लोगों को हथियार चलाने का प्रशिक्षण दे रही सीआरपीएफ

जम्मू । जम्मू-कश्मीर के हालात में पहले की अपेक्षा काफी सुधार आया है, लेकिन अभी भी कुछ क्षेत्र हैं, जो काफी संवेदनशील माने जाते हैं। जैसे एलओसी से लगे राजौरी जिले में कई गांव हैं, जहां आतंक का खतरा बना रहता है। इस साल जनवरी महीने में राजौरी के एक गांव डांगरी में हमला हुआ था। उसके बाद से सुरक्षा बलों की संख्या यहां बढ़ाई गई है, लेकिन गांव वालों के मन में व्याप्त भय को देखकर सीआरपीएफ ने एक अभिनव पहल करते हुए स्थानीय ग्रामीणों को हथियार चलाने का प्रशिक्षण देना शुरू किया जिसके सकारात्मक परिणाम देखने को मिले हैं। स्थानीय लोग बड़ी संख्या में सीआरपीएफ के प्रशिक्षण सत्र में शामिल होते हैं और हथियार चलाना सीखने के बाद उनका आत्मविश्वास बढ़ा है जिसके चलते वह सिर्फ अपने गांवों की ही नहीं बल्कि देश की सुरक्षा करने के लिए तैयार हैं। आतंकी हमले के पीड़ितों ने धमकी दी है कि अगर सरकार हमलावरों को पकड़ने और उन्हें न्याय दिलाने में नाकाम रही तो वे अपने गांव से किसी 'सुरक्षित' जगह पर चले जाएंगे और अनुग्रह राशि वापस कर देने वाले हैं। गौरतलब है कि आतंकवादियों ने एक जनवरी को जम्मू-कश्मीर के राजौरी जिले के डांगरी गांव में हमला किया था और ग्रामीणों को निशाना बनाया था। इस हमले में सात लोगों की मौत हो गई थी जबकि 14 अन्य घायल हो गए थे।

साइबर ठग पहले आपके खाते में पैसा डालते हैं, फिर गलती से गए कहकर लोगों को चूना लगा रहे

नई दिल्ली । अगर आप भी लेनदेन करने के लिए डिजिटल पेमेंट करते हैं, तब आपको सतर्क होने की जरूरत है। साइबर ठगों ने यूपीआई पेमेंट करने वाले यूजर्स का खाता खाली करने को अब नया तरीका निकाला है। आपको जानकार हैरानी होगी कि मुंबई में 16 दिनों में ही ठगी के इस नए तरीके से 81 लोगों के खाते से 1 करोड़ रुपये निकाल लिए हैं। जालसाज पैसे भेजने का झांसा देकर लोगों से ठगी कर रहे हैं। यूपीआई पेमेंट आज भारत में सबसे ज्यादा ऑनलाइन पमेंट के लिए इस्तेमाल होने वाला पेमेंट गेटवे है। यूपीआई की लोकप्रियता के साथ-साथ ऑनलाइन धोखाधड़ी भी बढ़ रही है। रिपोर्ट के अनुसार, साइबर ठग पहले यूपीआई यूजर्स को पैसे ट्रांसफर करते हैं। फिर वे यूजर को कॉल करके बताते हैं, कि उसके अकाउंट में उससे गलती से पैसे ट्रांसफर हो गए हैं। वे पैसा वापस अपने पास भेजने का निवेदन करते हैं। उनकी बातों में आकर अगर कोई व?यक्ति कॉलर के नंबर पर पैसे भेजता है, तब ठग उसका खाता हैक कर उस खाते से पैसे उड़ा लेते हैं। असल में अगर पीड़ित यूपीआई एप का इस्तेमाल करके पैसे चुकाता है, तब मेलवेयर सॉफ्टवेयर यूजर्स के डिवाइस को इफेक्टेड कर देता है। जिससे स्कैमर को बैंक और केवाईसी जैसे डिटेल पैन और आधार सहित उनके पूरे डेटा तक पहुंच मिल जाती है। इस जानकारी से जालसाज यूजर्स के बैंक अकाउंट को हैक कर पैसे निकलता है। मुंबई में यूपीआई धोखाधड़ी के 81 मामले सामने आए हैं। पुलिस में इस स्कैम का शिकार हुए लोगों द्वारा दर्ज कराई शिकायतों के अनुसार, स्कैमर लोगों को उनके यूपीआई एप जैसे गूगल पे पर पैसे भेज रहे हैं। फिर उन्हें कॉल या मैसेज के जरिए संपर्क करके ये बोल रहे हैं कि ये ट्रांजेक्शन गलती से हो गई है। फिर अनजान कॉलर लोगों से उनके नंबर पर पैसे वापस भेजने की गुजारिश करता है। जैसे ही कोई पैसा वापस भेजता है, तब कुछ समय बाद उसके खाते से पैसे निकलने शुरू हो गए।

गूगल को राहत नहीं, भरना पड़ेगा 1338 करोड़ रुपये का जुर्माना

नई दिल्ली । दिग्गज अमेरिकी टेक कंपनी गूगल को बड़ा झटका लगा है। दरअसल, नेशनल कंपनी लॉ अपीलेट ट्रिब्यूनल (एनसीएलएटी) ने एंड्रायड में अपनी डोमिनेंट पोजिशन के दुरुपयोग से जुड़े मामले में कॉम्पिटीशन कमीशन ऑफ इंडिया यानी सीसीआई के आदेश को बरकरार रखा है। एनसीएलएटी ने कंपनी को जुर्माना भरने और आदेश को लागू करने के लिए 30 दिन का समय दिया है। बीते दिनों भारत में कंपनियों के बीच प्रतिस्पर्धा पर नजर रखने वाली एजेंसी कॉम्पिटीशन कमीशन ऑफ इंडिया ने गूगल पर 1,337.76 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया था। गूगल ने फैसले को एनसीएलएटी के सामने चुनौती दी थी। हालांकि गूगल ने अपने ऊपर लगे आरोपों को गलत करार दिया था।

एक और झटका, 1 अप्रैल से यूपीआई ट्रांजैक्शन होगा महंगा

-2000 से ज्यादा के पेमेंट पर अतिरिक्त चार्ज लगाने की तैयारी!

मुंबई । अगर आसान भुगतान के लिए आप भी प्रीपेड पेमेंट इंस्ट्रूमेंट्स (पीपीआई) जैसे कि ऑनलाइन वॉलेट या प्री-लोडेड गिफ्ट कार्ड का इस्तेमाल करते हैं, तब हो सकता है कि 1 अप्रैल से आपको इसके द्वारा किए गए यूपीआई पेमेंट्स के लिए अतिरिक्त चार्ज का भुगतान करना पड़े। भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम (एनपीसीआई) ने 1 अप्रैल से प्रीपेड भुगतान उपकरणों का उपयोग करके किए गए मर्चेंट यूपीआई लेनदेन पर 1.1 प्रतिशत तक का इंटरचेंज चार्ज पेश किया है। यह ऑनलाइन व्यापारियों, बड़े व्यापारियों और छोटे व्यापारियों को किए गए 2,000 रुपये से अधिक के यूपीआई भुगतान पर लगाया जा रहा है। इसके बाद सवाल आता है कि ये इंटरचेंज चार्ज क्या है और क्या यह सभी तरह के ऑनलाइन भुगतान में लगने वाला है या फिर यह एक खास सेगमेंट को प्रभावित करने वाला है। आज हम इसी से जुड़े सवालों के जवाब लेकर आए हैं।

महबूबा मुफ्ती के बायन पर सलमान खुर्शीद बोले,

किसी भी पार्टी के 'बड़े भाई' की भूमिका नहीं निभाना चाहती कांग्रेस

जम्मू (एजेंसी)। कांग्रेस ने बुधवार को 2024 के चुनाव से पहले विपक्ष को एकजुट करने में 'बड़े भाई' की भूमिका की बात को तवज्जो नहीं दी और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी को सत्ता से हटाने के लिए सामूहिक प्रयास करने का आह्वान किया। कांग्रेस नेता सलमान खुर्शीद ने जम्मू-कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती की एक टिप्पणी का जवाब देते हुए कहा कि हम एक बड़े भाई की भूमिका नहीं निभाना चाहते हैं। सामूहिक प्रयास किए जाने चाहिए और सभी को एक साथ आना चाहिए और सभी नेताओं को तय करना चाहिए कि किसे क्या जिम्मेदारी या अधिकार मिलेगा।

पूर्व विदेश मंत्री खुर्शीद ने कहा कि विपक्ष एकता की जरूरत को समझता है और कांग्रेस को उम्मीद है कि ये प्रयास सकारात्मक होंगे। मल्लिकार्जुन खड़गे ने सभी नेताओं को बुलाया (एकजुट होने और लोकसभा की अयोग्यता का विरोध करने के लिए) और लगभग सभी आए। कई नेता जो पहले कुछ नहीं कह रहे थे उन्होंने खुले तौर पर राहुलजी का समर्थन किया है। हमें उम्मीद है कि इसे जल्द ही आगे बढ़ाया जाएगा और सभी मिलकर फैसला करेंगे।

हर कोई जमीनी हकीकत देखेगा और जानेगा कि किसी की कीमत कितनी है। हम सब एक साथ बैठें तो इस पर चर्चा हो सकती है... एकमत है... कि इस बड़ी चुनौती से लड़ने के लिए हम सभी को एक होना होगा। हमें उम्मीद है कि एकता होगी। लोकसभा में राहुल गांधी को अयोग्य घोषित करने के बाद से कांग्रेस को अन्य विपक्षी दलों से महत्वपूर्ण समर्थन मिला है।

नीतिश का पीएम मोदी पर कटाक्ष, कोई काम नहीं हो रहा है, केवल प्रचार हो रहा

पटना । बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर जोरदार कटाक्ष करते हुए कहा कि कोई काम नहीं हो रहा है, केवल प्रचार किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि पहले की कोई चर्चा नहीं हो रही है, केवल लोग अपनी ही तारीफ कर रहे हैं। एक कार्यक्रम में जब नीतीश से प्रधानमंत्री के विपक्षी एकता पर निशाना साधने वाले

बयान को लेकर सवाल किया, तब उन्होंने कहा कि हम इन सभी चीजों पर ध्यान नहीं देते। उन्होंने कहा कि वे क्या बोलते हैं और क्या नहीं बोलते हैं, यह उनकी आदत है। नीतीश ने कहा कि सब लोग अपने ही तारीफ करने में लगे हुए हैं। पहले जो इतना काम हुआ है, हमलोग उनकी तारीफ करते हैं। उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की चर्चा करते हुए कहा कि हमलोग तब उनके कामों की तारीफ करते हैं, उस समय कितना बढ़िया था। वहां हिंदू, मुस्लिम सब के पक्ष में एकसाथ रहते थे। हमलोग भी उनके साथ थे। इसदौरान मुख्यमंत्री से भाजपा के नए अध्यक्ष सम्राट चौधरी के मुख्यमंत्री आवास पहुंचने के लगाए गए बैनर के संबंध में सवाल किया गया, तब उन्होंने कहा कि ऐसी चीजों पर ध्यान नहीं देते। उन्होंने कहा कि कौन क्या-क्या बोलता है, उसका कोई वैल्यु है क्या। उसका कोई कमेंट करके हम वैल्यु देंगे। हम यहां काम करते हैं। जनता मालिक है, जनता फैसला करेगी।

महाठग सुकेश ने आप पार्टी को कट्टर करप्ट पार्टी बताया

- केजरीवाल की उल्टी गिनती शुरु

नई दिल्ली (एजेंसी)। मनी लॉन्ड्रिंग मामले दिल्ली की मंडोली जेल में बंद महाठग सुकेश चंद्रशेखर ने एक और पत्र लिखा है। सुकेश ने अपने पत्र में आम आदमी पार्टी को कट्टर करप्ट पार्टी बताया है। सुकेश ने दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और उनकी आप पार्टी को कट्टर भ्रष्ट पार्टी बताकर पूरी तरह से बेनकाब करने का दावा किया है। सुकेश ने आरोप लगाया कि सीएम केजरीवाल और उनके लोग उस पर दबाव बनाने की कोशिश कर रहे हैं। लेकिन मैं आपको बता दूं कि चाहे आप कितनी भी कोशिश कर लें, मैं पीछे नहीं हटूंगा।

केजरीवाल जी, आपके चेहरे पर डर देखकर बहुत संतोष होता है और आप इस डर के बारे में अच्छी तरह जानते हैं। सब खत्म हो रहा है। कोई फर्क नहीं पड़ता कि आप क्या दिखाने की कोशिश करते हैं, कोई अब आप पर भरोसा नहीं कर रहा है, सब कुछ खत्म हो गया है, उलटी गिनती शुरू हो गई है। केजरीवाल जी, मैं आपको और आपके कट्टर करप्ट पार्टनर (सत्येंद्र जैन) को एक छोटा टीजर दिखाने

जा रहा हूं। उन्होंने मुझसे जो बातचीत की थी उस बातचीत को मैं सार्वजनिक कर दूंगा। इसके बाद मैं नहीं जानता, तुम्हें लोगों को कौन सा चेहरा दिखाना पड़ेगा? दिल्ली की जनता ने आप लोगों पर भरोसा करके आपको वोट दिया। आने वाले सप्ताह में मैं, एक टीजर जारी करूंगा।

केजरीवाल जी, जेल में बंद आप नेता मनीष सिसोदिया को वीवीवीआईपी की सुविधा कैसे दी जा रही है, इसकी सच्चाई मैं जानता हूं। आपके नेता सौरभ भारद्वाज कहते हैं कि जेल हमारी है, जेल हमारे प्रशासन में है और कोई कुछ नहीं कर सकता। फिर आप क्यों नाटक कर अपना मजाक बना रहे हैं।

केजरीवाल जी, आप और आपका गिरोह सत्ता में रहने के लायक नहीं है, मैं वादा करता हूं। मैं आने वाले सप्ताह से सबूत के साथ पर्दाफाश करूंगा। मैं आपको और आपके गिरोह को सत्ता के आसन से हिला दूंगा। मेरे परिवार के लोगों को परेशान किया जा रहा है, उन्हें धमकी दी जा रही है। अब आप तैयार रहिए, सबूत खुलकर सामने आएंगे।

भाजपा का कोई विधायक कांग्रेस में नहीं जा रहा, हम पूर्व बहुमत से वापसी कर रहे हैं : बोम्मई

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक में विधानसभा चुनाव की तारीखों का ऐलान होते ही वहां आचार संहिता लागू हो गई है। इस बीच कर्नाटक के मुख्यमंत्री और भाजपा नेता बसवराज बोम्मई ने दावा किया है कि हमारी पार्टी चुनाव के लिए तैयार है, हम सत्ता में मजबूती से वापसी करने वाले हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा हमेशा तैयार रहने वाली पार्टी है और हम चुनाव के लिए तैयार हैं। बीजेपी भारी बहुमत के साथ सत्ता में वापसी करने जा रही है। उन्होंने कहा कि हम पहले ही अपने सभी विकास कार्यों के साथ लोगों के पास जा चुके हैं।

बोम्मई ने कहा कि भाजपा का कोई नेता कांग्रेस में शामिल नहीं होने जा रहा है, वास्तव में कर्नाटक कांग्रेस अध्यक्ष हमारे विधायकों के सामने अपनी पार्टी में शामिल होने की गुहार लगा रहे हैं। दरअसल, कर्नाटक में नेताओं का दलबदल भी जारी है। वहीं, कांग्रेस अध्यक्ष और कर्नाटक से ही आने वाले मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा

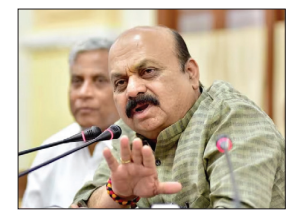

कि कांग्रेस कर्नाटक चुनाव जीतेगी और राज्य में सरकार बनाएगी। उन्होंने कहा कि यही वजह है कि मोदी सरकार के सभी शीर्ष मंत्री राज्य का दौरा कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी, प्रियंका गांधी वाड्रा और पार्टी के अन्य वरिष्ठ नेता राज्य का दौरा करने वाले हैं। बता दें कि कर्नाटक में मुख्य मुकाबला भाजपा और कांग्रेस के बीच माना जा रहा है।

कांग्रेस के कर्नाटक प्रभारी रणदीप सुरजेवाला ने ट्वीट किया, चुनाव आयोग ने दुर्गा अष्टमी के पवित्र दिन कर्नाटक विधानसभा चुनाव की घोषणा की है। कर्नाटक प्रदेश कांग्रेस यह संकल्प लेती है कि वह 40 प्रतिशत कमीशन वाली सरकार और सरेआम लूट से राज्य को मुक्ति दिलाएगी।

अदालत के फैसले को चुनौती देने कांग्रेस नेता हुए लामबंद

नई दिल्ली (एजेंसी)। गुजरात की सूरत अदालत के फैसले को चुनौती देने कांग्रेस नेता लामबंद होते दिखाई दे रहे हैं। इसके लिए चाचिका तैयार करके अदालत में दाखिल करने की तैयारी हो रही है। पार्टी सूत्रों ने बताया कि पार्टी के शीर्ष कानूनी सलाहकार समीक्षा याचिका पर काम कर रहे हैं, जिसे एक या दो दिन में सूरत सेशन कोर्ट में दायर किया जाएगा। गौरतलब है कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी को मानहानि मामले में गुजरात की सूरत अदालत ने दोषी ठहराते हुए दो साल की सजा सुनाई है। सूत्रों की मानें तो फैसले को चुनौती देने वाली याचिका तैयार है जिसे जल्द ही अदालत में दाखिल किया जाएगा। दरअसल मोदी सरनेम पर टिप्पणी को लेकर राहुल गांधी के खिलाफ मानहानि का मामला दायर किया गया था। दोषी ठहराए जाने के बाद उनकी

लोकसभा सदस्यता रद्द कर दी गई है। इस मामले में कांग्रेस का कहना है कि हम राजनीतिक और कानूनी दोनों तरीकों से लडेंगे और इस मुद्दे को जनता के बीच भी ले जाएंगे।

इस मामले में लोकसभा में कांग्रेस के सचेतक मणिकम टैगोर ने कहा कि सरकार ने जानबूझकर राहुल गांधी को इस बजट सत्र के दौरान संसद में उपस्थित नहीं होने देने के लिए अयोग्य घोषित किया है। उन्होंने कहा कि यह पूरी तरह से झूठा मामला है। संसद से दूर रखने के लिए उन्हें अयोग्य ठहराया गया है। मानहानि केस में दोषी ठहराए जाने और सजा मिलने के बाद राहुल की सांसदी चली गई।

राष्ट्रगान के अपमान का मामला, बॉम्बे हाई कोर्ट का सीएम ममता बनर्जी को राहत देने से इनकार

मुंबई (एजेंसी)। राष्ट्रगान के अपमान मामले में पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को बॉम्बे हाईकोर्ट से राहत नहीं मिली है. उन्होंने अपने खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की अर्जी पर पुनर्विचार की अपील को रद्द करने की मांग की थी. बॉम्बे हाईकोर्ट ने इस मांग को नामंजूर कर दिया है. ममता बनर्जी पर आरोप है कि साल 2021 में मुंबई के यशवंतराव चव्हाण ऑडिटोरियम के एक कार्यक्रम में वे राष्ट्रगान के वक्त बैठी रह गई थीं. बीच में थोड़ी देर के लिए उठीं और दो लाइनें गुनगुनाकर चुप हो गईं. इससे राष्ट्रीय सम्मान अधिनियम 1971 के तहत यह एक गुनाह है. इस आधार पर भाजपा के एक स्थानीय पदाधिकारी विवेकानंद गुप्ता इस बात की शिकायत मुंबई के कफ परेड पुलिस स्टेशन में दर्ज करवाने गए थे लेकिन जब वहां उनकी शिकायत पर कोई कार्रवाई नहीं हुई तो वे

मेट्रोपोलिटन मजिस्ट्रेड के पास गए. मेट्रोपोलिटन मजिस्ट्रेड की अदालत ने ममता बनर्जी के खिलाफ समन जारी किया. ममता बनर्जी इस समन को चुनौती देने के लिए स्पेशल एमपी/एमएलए कोर्ट पहुंची. एमपी/एमएलए कोर्ट ने साल 2023 में मेट्रोपोलिटन मजिस्ट्रेड अदालत से इस शिकायत पर पुनर्विचार करने को कहा. इसके बाद मजिस्ट्रेड की अदालत ने ममता बनर्जी की उस याचिका को खारिज कर दिया जिसमें उन्होंने अपने खिलाफ कार्रवाई को रोकने की मांग की थी. ममता बनर्जी के वकील ने तर्क दिया था कि चूंकि उन्होंने हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया है, इसलिए उन पर कार्रवाई रोकी जाए. लेकिन अब हाईकोर्ट ने भी ममता बनर्जी को राहत देने से इनकार कर दिया है. इस तरह ममता बनर्जी पर एफआईआर दायर करने की याचिका पर पुनर्विचार करने की मांग को रद्द कर दिया है. इसके बाद सीएम ममता बनर्जी ने अपने खिलाफ मुंबई सेशंस कोर्ट के फैसले को चुनौती दी थी. इसे बॉम्बे हाईकोर्ट ने नामंजूर कर दिया. कोर्ट ने उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की अर्जी को रद्द करने की मांग नामंजूर कर दी.

- क्या था मामला

दरअसल साल 2021 में शिवसेना और एनसीपी के निमंत्रण मिलने पर मुंबई आई थीं. इसी दौरान वे मुंबई के यशवंतराव चव्हाण ऑडिटोरियम में हुए एक कार्यक्रम में भाग लेने पहुंची थी. यहां उन्होंने राष्ट्रगान का जो अपमान किया उससे संबंधित वीडियो सोशल मीडिया में वायरल हो गया था. इसके बाद बीजेपी के स्थानीय पदाधिकारी विवेकानंद गुप्ता ने इसकी शिकायत की थी.

अदानी घोटाले की संयुक्त संसदीय समिति की जांच से क्यों डर रही है मोदी सरकार: पवन खेड़ा

- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपने दोस्त अदानी के लिए 18-18 घंटे काम करने में व्यस्त - नीरव मोदी, ललित मोदी पिछड़े नहीं, बल्कि नरेंद्र मोदी के बिछड़े भाई हैं !

मुंबई (एजेंसी)। अदानी उद्योग समूह में किसने 20 हजार करोड़ रुपए का निवेश किया है ? इस निवेश में चीन का एक नागरिक शामिल है और वह चीनी नागरिक कौन है? कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने यह मुद्दा इसलिए उठाया है, क्योंकि देश की जनता को इसकी जानकारी होनी चाहिए। अदानी घोटाले में दूध का दूध और पानी का पानी करना ही है तो इसके लिए संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) का गठन कर पूरे मामले की जांच कराई जानी चाहिए। यह मांग कांग्रेस के राष्ट्रीय प्रवक्ता पवन खेड़ा ने की है। उन्होंने कहा कि अगर कोई घोटाला नहीं हुआ है तो मोदी सरकार जेपीसी की जांच से क्यों डर रही है? अदानी घोटाले को लेकर कांग्रेस नेताओं ने बुधवार को देश भर में 35 जगहों पर डेमोक्रेसी डिस्क्वालीफाईड नाम से प्रेस कॉन्फ्रेंस की। मुंबई के गांधी भवन में पत्रकारों से बात करते हुए पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता पवन खेड़ा ने कहा कि मोदी सरकार अदानी समूह की कंपनियों पर विशेष मेहरबानी कर रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जब विदेश यात्रा करते हैं तो अदानी भी उनके साथ होते हैं। ऑस्ट्रेलिया दौरे पर मोदी ने अदानी को कॉन्ट्रैक्ट दिलाने के लिए एसबीआई से कर्ज देकर मेहरबानी दिखाई थी। मोदी ने अदानी समूह को श्रीलंका में पॉवर सेक्टर का कांटेक्ट दिलाने के लिए वहां की सरकार पर दबाव डाला था। मोदी ने बांग्लादेश में बिजली आपूर्ति का ठेका अदानी को दिलाने के लिए भी वहां की सरकार पर दबाव बनाया। एलआईसी निवेशकों के 33 करोड़ रुपए का निवेश भी अदानी की कंपनी में किया गया है। आम लोगों का यह पैसा अदानी घोटाले की वजह से खतरे में है। बड़ा सवाल यह है की आम जनता के पैसे की सुरक्षा की जिम्मेदारी कौन लेगा? यह ज्वलंत प्रश्न हैं। जिसका जवाब मोदी सरकार को देना चाहिए। सरकारी एजेंसियों का दबाव और छापा मार कर कई महत्वपूर्ण उद्योग अदानी को सुपुर्द कर दिए गए हैं।

पवन खेड़ा ने कहा कि अदानी और मोदी के बीच क्या संबंध है? संसद में ऐसा सवाल उठाकर राहुल गांधी ने मोदी सरकार को कटघरे में खड़ा कर दिया। लेकिन मोदी सरकार ने संसद की कार्यवाही से राहुल गांधी के भाषण का एक बड़ा हिस्सा हटा दिया। अदानी पर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के सवाल को भी संसद की कार्यवाही से हटा दिया गया। आखिर अदानी मामले पर पूछे गए सवाल से मोदी सरकार इतना क्यों डर रही है ? राहुल गांधी ने 7 फरवरी को संसद में अदानी -मोदी के रिश्ते का मुद्दा उठाया और उसके 9 दिन बाद सूरत की अदालत में लंबित एक पुराने मामले में बुलेट ट्रेन की गति से भी तेज कार्रवाई करते हुए उसे खोल दिया गया। 23 मार्च को राहुल गांधी को 2 साल की सजा हुई और 24 घंटे के अंदर उनकी लोकसभा सदस्यता रद्द कर दी गई। मोदी सरकार यहीं नहीं रुकी बल्कि राहुल गांधी को सरकारी आवास खाली करने का नोटिस भी भेज दिया। राहुल गांधी ने देश के 140 करोड़ लोगों के दिलों में अपनी जगह बनाई है। वे मोदी से सीधे सवाल पूछने से नहीं डरते। लेकिन 56 इंच का सीना और 303 सांसदों का भारी बहुमत होने के बावजूद मोदी सरकार संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) द्वारा जांच किए जाने से क्यों डर रही है ?

कांग्रेस के राष्ट्रीय प्रवक्ता ने कहा कि बीजेपी का यह आरोप झूठा और हास्यास्पद है, जिसमें उनका कहना है कि राहुल गांधी ने ओबीसी समाज का अपमान किया है। उन्होंने कहा कि नीरव मोदी, ललित मोदी पिछड़े नहीं, बल्कि मोदीजी के बिछड़े हुए भाई है। खेड़ा ने तंज कसते हुए कहा कि नरेंद्र मोदी अपने दोस्त गौतम अदानी के लिए रोजाना दिन में 18-18 घंटे काम करते हैं।

- महा विकास अघाड़ी मजबूत है

पवन खेड़ा ने कहा कि सावरकर मुद्दे पर महाविकास आघाड़ी में फूट के आरोप में कोई सच्चाई नहीं है ।हमारी अघाड़ी पूरी तरह से मजबूत है। हर पार्टी के अपने- अपने विचार होते हैं । हमारे गठबंधन में हर कोई अपने विचार व्यक्त करने के लिए स्वतंत्र है। लोकतंत्र में संवाद महत्वपूर्ण है और यह आज भी महाविकास आघाड़ी में कायम है। खेड़ा ने कहा

कि देश के ज्वलंत मुद्दे से जनता का ध्यान भटकाने के लिए भाजपा द्वारा सावरकर के मुद्दे को तूल दिया जा रहा है। क्या भारतीय जनता पार्टी स्वीकार करती है कि, सावरकर ने छत्रपति शिवाजी महाराज और संभाजी महाराज के बारे में क्या लिखा है? बीजेपी को इसका जवाब देना चाहिए। इस प्रेस कांफ्रेंस में प्रदेश कांग्रेस के मुख्य प्रवक्ता अतुल लोंढे, प्रवक्ता चरण सिंह सप्रा, डॉ. राजू वाघमारे, काकासाहेब कुलकर्णी, महिला कांग्रेस की प्रदेश अध्यक्ष संध्या सव्वालाखे, प्रदेश महासचिव देवानंद पवार और प्रदेश महासचिव राजेश शर्मा मौजूद थे।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

मौर्या समाज,सुरत द्वारा आयोजित चक्रवर्ती सम्राट आशोक जन्मजयंती पर भव्य रैली का आयोजन

मौर्या समाज,सुरत द्वारा आयोजित चक्रवर्ती सम्राट आशोक जन्मजयंती पर भव्य रैली का समाज के अग्रणी ने दीप प्रज्वलित कर रैली प्रारंभ

लेजर स्पीड गन से वाहन चालकों पर नजर रखेगी सूरत पुलिस, सड़क पर 30 लेजर गन के साथ पुलिस टीम तैनात

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

सूरत पुलिस ने शहर में ओवर स्पीड में वाहन चलाने वालों पर कड़ी नजर रखी है। सूरत पुलिस अब शहर की अलग-अलग सड़कों पर लेजर स्पीड गन से नजर रखेगी। जिससे शहर में नबीरों के लिए यह स्पीड गन खतरे की घंटी होगी। सूरत सिटी ट्रैफिक पुलिस को सरकार की ओर से 30 लेजर स्पीड गन आवंटित की गई हैं। पुलिस ने आज से इस लेजर स्पीड गन पर नजर रखकर शहर की अलग-अलग सड़कों पर कार्रवाई शुरूकर दी है।

स्पीड गन से सड़क पर नजर रखेगी पुलिस सूरत ट्रैफिक पुलिस अब खाकी वर्दी के साथ लेजर स्पीड गन लेकर आई है। शहर की सड़कों पर तेज रफ्तार मोटर चालकों पर विशेष नजर रखने के लिए सूरत ट्रैफिक पुलिस को लेजर स्पीड गन आवंटित की गई है। सरकार द्वारा सूरत पुलिस को 30 लेजर स्पीड गन आवंटित की गई हैं। आज से सूरत

ट्रैफिक पुलिस के जवान इस लेजर स्पीड गन से शहर के करीब 30 अलग-अलग स्पॉट पर पेट्रोलिंग करेंगे और तेज गति से वाहन चलाने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करेंगे.

नबीरस के लिए खतरे की घंटी सूरत ट्रैफिक पुलिस को आवंटित लेजर स्पीड गन नबीरा के लिए खतरे की घंटी साबित होगी। शहर के कई इलाकों में नबीर तेज गति से बाइक व कार चलाकर दुर्घटना का कारण बनते हैं। इसके अलावा ओवर स्पीड में बाइक चलाने और स्टंट करते समय लेजर स्पीड गन ऐसे सवारों के लिए खतरे की घंटी होगी।

हादसे कम करने के लिए आज सूरत पुलिस कमिश्नर ने ट्रैफिक पुलिस को दी लेजर स्पीड गन सूरत के पुलिस कमिश्नर अजय कुमार तोमर ने बताया कि सूरत के पास लेजर स्पीड गन थी. अब सरकार द्वारा 30 और लेजर स्पीड गन आवंटित की गई हैं। इस स्पीड गन का इस्तेमाल राज्य के राजमार्गों और सूरत से गुजरने वाली शहर की सड़कों पर किया जाएगा। इसका मकसद शहर में तेज गति से वाहन चलाकर हादसों को कम करना है। इस लेजर स्पीड गन से अब चालकों का आधुनिक तकनीक से ध्यान रखा जाएगा। तथा उर गति से वाहन चलाने वाले वाहन चालकों के विरूद्ध तत्काल कार्यवाही की जायेगी। इन सभी 30 स्पीड गन का आज से इस्तेमाल किया जा रहा है। आज से इस स्पीड गन के साथ अलग-अलग इलाकों में पुलिसकर्मी तैनात कर दिए गए हैं। अब इस तकनीक से ओवर स्पीडिंग की समस्या कम होगी।

क्या है स्पीड लिमिट सूरत के पुलिस कमिश्नर ने आगे कहा कि नेशनल हाईवे पर वाहनों की स्पीड लिमिट 60 किलोमीटर प्रति घंटा रखी गई है. जबकि गैर-राजमार्ग क्षेत्रों में, गति सीमा मध्यम वाहनों के लिए 40 किमी प्रति घंटा, दोपहिया के लिए 50 किमी प्रति घंटा, तिपहिया के लिए 35 किमी प्रति घंटा और चार पहिया वाहनों के लिए 60 किमी प्रति घंटा निर्धारित की गई है। इस गति में क्षेत्र के अनुसार निर्धारित गति निर्धारित की गई है।

ओवर स्पीडिंग करने वालों पर लगेगा जुर्माना पुलिस कमिश्नर ने आगे कहा कि लेजर स्पीड गन में क्षेत्र की सीमा और वाहनों की आवंटित सीमा निर्धारित की गई है. इसके बाद सड़क पर इस गन से चलने वाले वाहन पर पुलिस की नजर रहेगी और ओवर स्पीडिंग के नियम को तोड़ने वालों को इसी गन से सजा दी जाएगी. ओवर स्पीडिंग करने वाले वाहन चालकों को सहारा देने पर ही जुर्माना या ई-चालान देकर चालान किया जाएगा।

इस गन की रेंज काफी अच्छी होती है इसलिए पुलिस दूर से ही इसका पता लगा सकेगी ताकि पहले से कार्रवाई की जा सके. साथ ही पुलिस के पास उसके खिलाफ दस्तावेजी वैज्ञानिक साक्ष्य भी होंगे। इससे पुलिस को जुर्माना या कानूनी कार्रवाई करने में आसानी होगी।

सूरत के केंद्रीय जीएसटी अधिकारी ने व्यापारी से जीएसटी नंबर लेने के लिए 1500 रुपये की रिश्वत मांगी

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

सूरत में भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो एसीबी ने एक केंद्रीय जीएसटी और आबकारी अधिकारी को रिश्वत लेते पकड़ा है। केंद्रीय जीएसटी और आबकारी विभाग के द्वितीय श्रेणी के अधिकारी को 1500 रुपये की रिश्वत लेते पकड़ा गया है। एक सीजीएसटी अधिकारी ने जीएसटी पंजीकरण संख्या प्राप्त करने के लिए शिकायतकर्ता से रिश्वत की मांग की।

एसीबी के जाल में फंसा सीजीएसटी अधिकारी सूरत में सीजीएसटी विभाग के वर्ग दो अधिकारी अधीक्षक को भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो ने रिश्वत लेते पकड़ा है। महीने का हजारों रुपये लेने वाले अधीक्षक के पकड़े जाने से सीजीएसटी विभाग में हड़कंप मच गया है. सेंट्रल जीएसटी में डिवीजन-1 रेंज-3 में सुपरिंटेंडेंट के पद पर कार्यरत रंजीत कुमार कृष्ण कुमार साह और सूरत में नानपुरा बहुमाली

बिल्डिंग के सामने सेंट्रल एक्साइज कमिश्नर ऑफिस में 1500 रुपये की रिश्वत मांगते हुए एसीबी के जाल में फंस गए हैं.

सूरत में एक कारोबारी ने जीएसटी नंबर लेने के लिए ऑनलाइन आवेदन कर एक कारोबारी से तीन हजार रुपये की रिश्वत मांगी. इसके बाद वह सीजीएसटी अधिकारी रंजीत कुमार से उनके आधार कार्ड सहित दस्तावेजी साक्ष्यों की पुष्टि के लिए मिले और रंजीत कुमार ने उनसे तीन हजार रुपये रिश्वत की मांग की. हालांकि, व्यापारी के थोड़ा झिझकने पर आखिरकार रंजीत कुमार 1500 रुपये लेने को तैयार हो गया।

एसीबी ने जाल बिछाया व्यवसायी रिश्वत नहीं देना चाहता था इसलिए उसने सूरत एसीबी में शिकायत की। एसीबी के अधिकारियों ने तलाशी कर जाल बिछाया। साथ ही, शिकायतकर्ता ने रिश्वत मांगने वाले सीजीएसटी विभाग के अधीक्षक रंजीत कुमार के साथ एक उद्देश्यपूर्ण बातचीत की और उसे रिश्वत की राशि स्वीकार करने के लिए बुलाया।

निर्णय के अनुसार, रंजीत कुमार ने शिकायतकर्ता को सूरत रेलवे स्टेशन दिल्ली गेट फ्लाईओवर ब्रिज के नीचे स्थित कैलाशपति महादेव मंदिर बुलाया और रिश्वत की राशि स्वीकार की।

निजी वेश में मौजूद एसीबी के अधिकारियों ने तुरंत रंजीत कुमार को 1500 रुपये की रिश्वत लेते रंगे हाथ पकड़ लिया। एसीबी ने अधिकारी रंजीत शाह को भ्रष्टाचार निरोधक अधिनियम के तहत गिरफ्तार कर कानूनी कार्रवाई की है।